सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh

Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 85, नई दिल्ली, रविवार, 22 जनवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 रात 10 बजे से 15 घंटे भारी वाहनों का दिल्ली में प्रवेश बंद
05 माइलेज के साथ बचत भी होगी 'हाई', इन कारों को खरीदने से पहले बस देख लें ये जरूरी चीजें
08 वंदे भारत एक्सप्रेस पर बंगाल में फिर पथराव, 21 दिनों में 4 बार हमला

आज का सुविचार

"सफलता की लड़ाई अकेली ही लड़नी पड़ती है, सैलाब उमड़ता है जीत जाने के बाद।"

इनसाइड

सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण नींद और थकान

अलीगढ़। प्रदेश में होने वाले सड़क हादसों की रोकथाम के लिए 'सड़क सुरक्षा माह'' मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनसामान्य में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरुक करना है। इसी क्रम में शुक्रवार को आईटीआई परिसर के डीटीआई भवन में लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्हें यातायात नियमों के पालन के साथ ही सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि दुर्घटना का प्रमुख कारण नींद और थकान है। नींद और थकान पर काबू पाने के लिए पर्याप्त सोना, पानी का सेवन करते रहना, विश्राम करना, यात्रा के दौरान पेटभर खाने के स्थान पर अल्पाहार लेना एवं व्यायाम करना जरुरी है। दुर्घटना का दूसरा कारण वाहन का असुरिक्षत होना है। तीसरा कारण अन्य वाहन चालकों के व्यवहार को पहचानना है। इसलिए मुड़ने से पहले अपने दायें और बायें भी देखना चाहिए। अचानक रोकना या मोड़ना नहीं चाहिए। चौथा कारण खराब सड़कें एवं मौसम है। धुंध, कोहरा, वर्षा, आंधी वाले मौसम में धीमी गति से गाड़ी चलानी चाहिए। अंधे मोड़ पर हॉर्न बजाना चाहिए। पांचवा कारण नशा करके वाहन चलाना।

गणतंत्र दिवस की परेड में सबसे आगे वीवीआईपी नहीं
बल्कि बैठेंगे ऑटो व रिक्शा चालक से लेकर सब्जी बेचने वाले तक

परेड के दौरान इस वर्ष के समारोह का मकसद सभी गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों में आम लोगों की भागीदारी है।

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड 2023 में रिक्शा चालकों से लेकर सब्जी विक्रताओं तक विशेष रूप से आमंत्रित ही नहीं किए जाएंगे, बल्कि पहली पंक्ति में बैठे नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वे श्रमिक जिन्होंने सेंट्रल विस्टा बनाने में मदद की उनके परिवार, कर्तव्य पथ के रख-रखाव करने वाले कर्मचारी, रिक्शा चालक, छोटे किराने वाले और सब्जी बेचने वाले मुख्य मंच के सामने आगे की सीट पर बैठेंगे। परेड के दौरान इस वर्ष के समारोह का मकसद सभी गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों में आम लोगों की भागीदारी है। गणतंत्र दिवस समारोह 'जनभागीदारी' की भावना से आयोजित किया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सरकारी समारोहों और कार्यक्रमों में आम आदमी के प्रतिनिधित्व को अधिकतम करने पर विशेष जोर दिया है। यहां तक कि पिछले साल गणतंत्र दिवस परेड में भी ऑटो व रिक्शा चालकों, निर्माण श्रमिकों, सफाई कर्मचारियों और श्रमिकों को समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया गया था।

सितंबर 2022 में पुनर्निर्मित सेंट्रल विस्टा एवेन्यू के उद्घाटन के दौरान जिस स्थल को पहले राजपथ कहा जाता था। उसका नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया हैं और इस बदले हुए पथ की यह पहली गणतंत्र दिवस परेड है।

सोमवार को परिवहन आयुक्त आरटीवी की समस्याओं को सुनेंगे

संजय बाटला

नई दिल्ली। आरटीवी ऑपरेटर्स की समस्याओं और उनकी मांगों को सुनने के लिए परिवहन आयुक्त ने आरटीवी की समस्याओं को उठाने वाली सस्थाओ में से एक सस्था को सोमवार का समय प्रदान किया है।

इस सस्था के संचालक की माने तो परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा सोमवार सुबह 11 बजे उन्हे अपनी बात रखने के लिए बुलाया गया है और इस बैठक में उनकी तरफ़ से आरटीवी को किलोमीटर में चलवाने की बात रखी जाएगी और उसके अलावा डीटीआईडीसी जो बिना स्टैंड बनाए ब्याज समेत फीस वसुलने के लिए परिवहन विभाग से दबाव बनवाता है उन्ही के (डीटीआईडीसी) बोर्ड द्वारा 9 महीने की डीटीसी स्टैंड फीस माफ करने के आदेश किए गए थे पर अभी तक उसका फायदा आरटीवी ऑपरेटर्स को नही मिला उस पर भी चर्चा की उम्मीद जताई है।

इस संस्था के संचालक का नाम गजेन्द्र तोमर है अब देखना होगा कि इस संस्था का सचालक अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों को भी साथ लेगा या नहीं और दूसरा परिवहन आयुक्त के समक्ष आरटीवी ऑपरेटर्स जिन्होंने अपने वाहन कोरोना कॉल से खड़े कर रखे हैं और परिवहन विभाग की तरफ़ हल की आशा में नजरे टिकाए बैठे हैं की समस्याओं को कितना उठा कर हल ला कर देते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे: तस्वीरें ट्वीट कर नितिन गडकरी ने लिखा- अद्भुत दृश्य, समृद्ध भारत के लिए दूरी को सीमित करना है

एनटीवी संवाददाता

देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (Delhi-Mumbai Expressway) का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी (Nitin Gadkari) ने इस एक्सप्रेस वे की कुछ तस्वीरें ट्वीट कर लिखा अद्भूत दृश्य। समृद्ध भारत के लिए दूरी को सीमित करना है।

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की प्रमुख परियोजना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है। एक बार 1386 किमी आठ-लेन राजमार्ग चालू हो जाने के बाद दोनों शहरों के बीच यात्रा करने में 12 घंटा कम समय लगेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी (Nitin Gadkari) ने इस एक्सप्रेस वे की कुछ तस्वीरें ट्वीट करते हुए लिखा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के वड़ोदरा-विरार खंड से शानदार दृश्य। समृद्ध भारत के लिए दूरी को सीमित करना है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बारे में बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं, लेकिन यह भारत का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे बनने जा रहा है और दुनिया में सबसे तेजी से बनने वाले एक्सप्रेसवे में से एक है, जिसका निर्माण रिकॉर्ड गति से हो रहा है। इसमें कथित तौर पर 80 लाख टन सीमेंट और 10 लाख टन स्टील शामिल है! दूरदर्शी परियोजना को 9 मार्च, 2019 को शिलान्यास के साथ शुरू किया गया था। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले साल घोषणा की थी कि एक्सप्रेसवे दिसंबर में करीब तैयार हो जाएगा। आगामी बजट के साथ, इस आठ-लेन एक्सप्रेसवे की प्रगति महत्वपूर्ण है। तो आइए एक नजर डालते हैं। वित्त मंत्रालय ने घोषणा की थी कि 1386 किलोमीटर की लंबाई के एक्सप्रेसवे की योजना 101,420 करोड़ रुपये की पूंजीगत लागत से बनाई गई थी। यह भी पता चला कि 1,368 किलोमीटर का काम दिया गया था और अक्टूबर 2022 तक 724 किलोमीटर का निर्माण किया गया था और शेष 18 किलोमीटर का काम मार्च 2023 तक दिया जाएगा। दिसंबर 2022 तक पूरा हो जाएगा। एक बार मार्ग चालू हो जाने के बाद, यह गुरुग्राम से दौसा तक यात्रा के समय को करीब आधा कर देगा। अभी यह दूरी तय करने में 4-5 घंटे का समय लगता है। मंत्रालय ने कहा है कि एक्सप्रेसवे की पर्याप्त लंबाई वित्त वर्ष 2023-24 में पूरी हो जाएगी। इसलिए, एक्सप्रेसवे FY24 तक चालू हो सकता है।

एनजीटी के आदेश का पालन करते हुए 15 साल पुराने दोपहिया बाईक, स्कूटर्स को ट्रक में लोड कर उठाया

एस.डी. सेठी

एनटीवी, नई दिल्ली। एमसीडी रोहिणी जोन के कर्मचारियों ने नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करते हुए शनिवार को रोहिणी के विजय विहार फेज -1 और 2 के इलाकों से 15 साल पुराने दोपहिया बाईक, स्कूटर्स को ट्रक में लोड कर उठा ले गए। मिट्टी-धूल में सनी गाडियों को जिस जगह से उठाया उस स्थान पर लिखित नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस में गाडी का नाम, गाडी मालिक का नाम, पता, गाडी नंबर समेत, जारी किये गये साल का विवरण आदि दर्ज किया गया है। 15 पुरानी गाडियों को सडक, घर से उठाने का ठेका एमसीडी ने प्राइवेट कंपनी फा ईन व्यू टेक प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। नोटिस में मोबाइल नंबर 8585930930 के अलावा एसआई/ एएसआई /एल आई, रोहिणी जोन के द्वारा हस्ताक्षर किए किए गए हैं। इस ड्राइव के अधिकारी ने बताया कि आज यानिवार को ही इस इलाके से करीब तीन दर्जन 15 साल पुराने दोपहिया वाहनों को बाकायदा ट्रक में लादा गया है।

हर्षवर्धन चौहान बोले- पहले चरण में तीन जिलों में खरीदे जाएंगे इलेक्ट्रिक वाहन

एनटीवी संवाददाता

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के सभी मंत्रियों को खर्चों में कटौती और आय जुटाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश पर वर्तमान में 75,000 करोड़ का कर्ज है। हिमाचल की वित्तीय स्थिति मजबूत बनानी है।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि हिमाचल के तीन जिलों शिमला, हमीरपुर और कांगड़ा में पहले चरण में पेट्रोल और डीजल वाहनों के बदले सिर्फ सरकारी इलेक्ट्रिक वाहन ही खरीदे जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में अन्य जिलों में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे जाएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के सभी मंत्रियों को खर्चों में कटौती और आय जुटाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश पर वर्तमान में 75,000 करोड़ का कर्ज है। हिमाचल की वित्तीय स्थिति मजबूत बनानी है। इस संबंध में सभी मंत्रियों ले योजना तैयार करने को कहा है। सरकार शीघ्र इलेक्ट्रिक वाहन नीति भी लाएगी।

मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने शनिवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एचआरटीसी पहले चरण में 150 नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदेगा। सरकार प्रदेश में प्रदूषण को कम करने का संकल्प लिए है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने का फैसला लिया है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन के लिए जमीन तलाशकर हस्तांतरित की जा रही है। सरकार पार्किंगों में भी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगी। उनका कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहन पहले महंगे पड़ते हैं, लेकिन बाद में इनका खर्चा कम रहता है। परिवहन विभाग ने 3 इलेक्ट्रिक वाहन खरीद लिए हैं। शेष 15 वाहन फरवरी और मार्च में मिल जाएंगे। मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सरकार पंजीकरण शुल्क में छूट सहित कई अन्य प्रोत्साहन देगी।

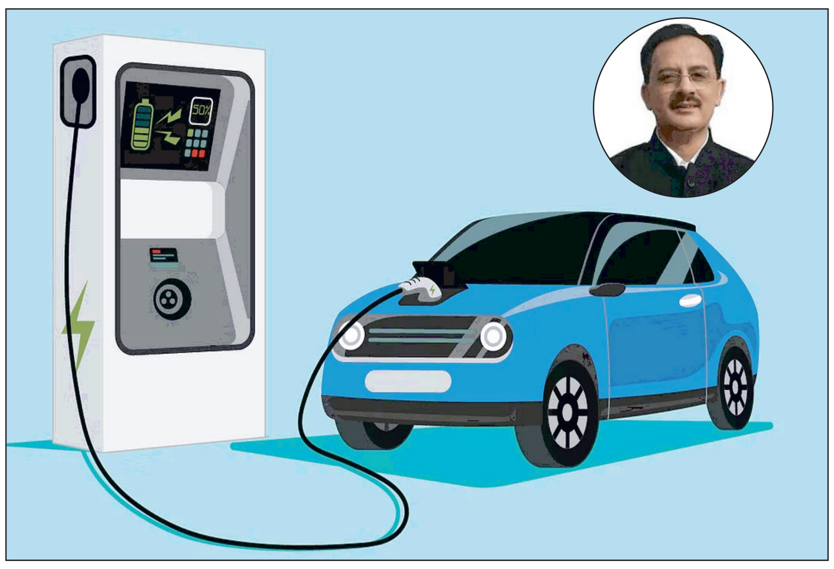

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

कविथा गांव में अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे के निर्माण का निरीक्षण करने आए थे गडकरी

गुजरात को सड़क-पुल और लॉजिस्टिक पार्क बनाने के लिए केंद्र देगा 12,600 करोड़ रुपये का एक्स्ट्रा फंड

एनटीवी संवाददाता

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया कि केंद्र सरकार सड़क-पुल और लॉजिस्टिक पार्क के निर्माण के लिए गुजरात सरकार को 12,600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन करेगी। उन्होंने कहा कि इस राशि में से 6,000 करोड़ रुपये राज्य में 'मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक' पार्क के विकास के लिए दिये जाएंगे।

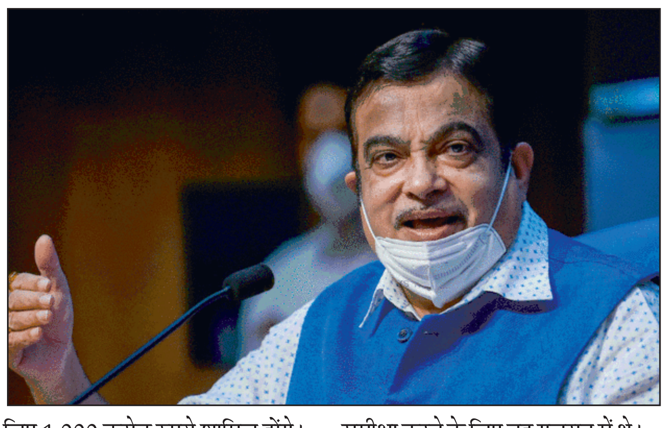

अहमदाबाद: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि गुजरात को राज्य में सड़कों, पुलों और लॉजिस्टिक पार्कों को बनाने के लिए केंद्र सरकार से अतिरिक्त 12,600 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस फंड से राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये और नैशनल हाइवे के अलावा अन्य सड़कों पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) या रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण के लिए 1,000 करोड़ रुपये शामिल होंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री अहमदाबाद के पास कविथा गांव में अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की अलग-अलग राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए वह गुजरात में थे। गुजरात में जारी राजमार्ग परियोजनाओं को लेकर गडकरी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ गांधीनगर में एक उच्चस्तरीय बैठक की थी। गडकरी ने कहा कि 2024 तक 109 किलोमीटर अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे अहमदाबाद को आगामी विशेष निवेश क्षेत्र और धोलेरा स्मार्ट सिटी से जोड़ेगा।

गुजरात को मिलेगा अत रि क्ति फंड

गडकरी ने कहा कि गुजरात को कुल रुपये का अतिरिक्त फंड मलिगा। वार्षिक योजना के तहत 2,600 करोड़। राज्य राजमार्गों, जिला सड़कों, और नगरपालिका सीमाओं के अंदर की सड़कों के लए अतिरिक्त 3,000 करोड़ रुपये मलिंगे। सेतु बंधन परियोजना के हिस्से के रूप में राज्य की सड़कों पर आरओबी और आरयूबी बनाने के लिए हम 1,000 करोड़ रुपये का योगदान देंगे।

हाइवे का बेस तैयार करने में कचरे का इस्तेमाल

उन्होंने आगे कहा कमिल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्कों के लिए हम 6,000 करोड़ रुपये आवंटित करेंगे। कुल मिलाकर हम गुजरात को 12,600 करोड़ रुपये देंगे। मैंने बुधवार को गांधीनगर में समीक्षा बैठक के दौरान गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल को यह बताया है। गडकरी के मुताबिक, थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली 25 लाख मीट्रिक टन राख और अहमदाबाद नगर निगम की सीमाओं के अंदर पैदा होने वाले करीब 20 लाख मीट्रिक टन ठोस कचरे का इस्तेमाल हाइवे का बेस तैयार करने में किया जा रहा है।

गडकरी ने जैन समुदाय के उत्सव स्पर्श महोत्सव में लिया ह स्सिा

उन्होंने कहा कचूंकि हमें राजमार्गों के निर्माण के लिए भारी मात्रा में मिट्टी की जरूरत है, इसलिए मैंने गुजरात के मुख्यमंत्री को एक प्रस्ताव दिया है कि हम राज्य में नहरों, झीलों और तालाबों को मुफ्त में खोदेंगे और उस मिट्टी का उपयोग अपने राजमार्गों के लिए करेंगे। राजमार्ग निरीक्षण कार्य शुरू करने से पहले गडकरी ने अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित जैन समुदाय के उत्सव स्पर्श महोत्सव में हस्सिा लिया।

इनसाइड

मीनोपॉज के लक्षणों को कम करने के लिए महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास

ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मीनोपॉज (Menopause) होता है. इस दौरान कई महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे लक्षणों का अनुभव करती हैं. ऐसे में महिलाएं राहत पाने के लिए योनि मुद्रा (Womb gesture), हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra) और प्राण मुद्रा (Prana Mudra) का अभ्यास कर सकती हैं.

मीनोपॉज (Menopause) मासिक धर्म यानी मेंस्ट्रुअल साइकिल के खत्म होने और महिलाओं के रिप्रोडक्टिव हार्मोन (Reproductive hormone) में कमी आने का संकेत है. ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मेनोपॉज होता है. इसके कारण कई महिलाएं बहुत सारी समस्याओं का सामना करती हैं.

आपको बता दें कि इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मीनोपॉज के कारण महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे कुछ लक्षणों का अनुभव करती हैं. कुछ मामलों में नींद में गड़बड़ी भी हो सकती है. कुछ महिलाओं को चिंता या अवसाद भी अपना शिकार बना लेते हैं लेकिन इसके लक्षणों को कम करने के लिए योग का सहारा लिया जा सकता है.

आध्यात्मिक गुरु, योग-उद्यमी और लेखक, ग्रैंड मास्टर अक्षर (Grand Master Akshar) के अनुसार, योग एक 'होलिस्टिक सॉल्यूशन' देता है. उनके मुताबिक योग न केवल लक्षणों को आसानी से कम करने में कारगार है, बल्कि इस बदलाव के दौरान योग सपोर्ट सिस्टम भी प्रदान करता है. उन्होंने बताया कि आसन, प्राणायाम और ध्यान के साथ, कुछ मुद्राओं का अभ्यास मीनोपॉज के दौरान मददगार साबित हो सकता है. आइए, जानते हैं कि कौनसी 3 मुद्राएं महिलाओं को करनी चाहिए

महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास

योनि मुद्रा (Womb gesture)

इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में बैठ कर किया जा सकता है. इसमें रीढ़ सीधी रहती है.

इसके लिए हाथों को गोद में लेकर आएं.

मिडिल, रिंग और छोटी उंगलियों को आपस में इंटरलॉक कर लें.

अंगूठे और तर्जनी उंगली को एक साथ दबाएं.

अब हीरे की आकृति बनाते हुए अंगूठे और तर्जनी को एक दूसरे से दूर ले जाएं.

हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra)

हकीनी मुद्रा को मन की मुद्रा भी कहा जाता है.

इसे सूर्योदय के दौरान करने की सलाह दी जाती है.

इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में किया जा सकता है.

इस मुद्रा का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले हथेलियों को कुछ इंच की दूरी पर एक दूसरे के सामने लाएं.

दोनों हाथों की उंगलियों और अंगूठों को मिलाएं.

अब हाथों को माथे के पास तीसरे नेत्र चक्र के स्तर तक उठाएं.

यह भी पढ़ें- Women Psychology: प्यार करने वाली औरतों से जुड़े 5 मनोवैज्ञानिक फैक्ट्स

प्राण मुद्रा (Prana Mudra)

इस मुद्रा को दोनों हाथों की मदद से बनाया जाता है.

इसमें रिंग फिंगर के सिरे और छोटी उंगली को अंगूठे के सिरे से जोड़ना होता है.

बाकी सभी अंगुलियों को सीधा फैलाएं.

इस दौरान श्वास लें और श्वास छोड़ें.

क्रोनिक कंडिशन में इसका एक बार सुबह और एक बार शाम को 15 मिनट तक अभ्यास करें.

जानकारी के मुताबिक हर मुद्रा को कम से कम 5 मिनट के लिए करना चाहिए.

11 सेफ्टी टिप्स महिलाओं के लिए हर बुरे हालात में मिलेगी मदद

अगर आप किसी दूसरे शहर में अकेले रहती हैं और कई बार खुद में असुरक्षित (Unsafe) महसूस करती हैं तो यह जरूरी है कि हर वक्त सतर्क रहें और छोटी से छोटी सुरक्षा से जुड़ी बात को फॉलो करें. आपकी एक गलती आपके लिए मुसीबत खड़ी कर सकती है.

घर से बाहर जब भी जाएं तो यह ध्यान रखें कि आपका फोन हमेशा फुल चार्ज हो. अकेले रास्ते में गाना सुनते हुए या किसी से बात करते हुए जाने की बजाय आप पास का ध्यान रखते हुए अलर्ट होकर जाएं. जीपीएस सिस्टम हमेशा ऑन रखें.

घर पर जरूर दें जानकारी

आप जब भी ऑफिस या कॉलेज जाएं तो माता-पिता या भाई बहन को जरूर बता दें. इससे आप अगर किसी प्रॉब्लम में होंगी तो वह आपकी मदद कर सकेंगे और उन्हें आपकी जानकारी भी होगी.

घर का नंबर कॉल हिस्ट्री लिस्ट में टॉप पर

हमेशा ध्यान दें कि आपके मोबाइल की कॉल हिस्ट्री लिस्ट में आपके परिवार वालों के नंबर टॉप पर हो. ऐसा करने से एमरजंसी में आपको कॉल करने में समय नहीं लगेगा.

गाड़ी नंबर करें करें शेयर

रात अकेले ट्रैवल करना हो तो गाड़ी में बैठने से पहले गाड़ी का नंबर जरूर शेयर करें. कभी भी अकेले बस में सफर न करें.

आज के समाज में महिलाएं (Women) हर सेक्टर में आगे कदम बढ़ा रही हैं. बढ़ते कदम के साथ महिलाओं को कई तरह की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है. देर रात मीटिंग से घर लौटना हो या दूसरे शहर में अकेले रहकर काम करना हो. इन सब चुनौतियों के बीच खुद की सुरक्षा एक अहम बात होती है. अगर आप किसी दूसरे शहर में अकेले रहती हैं तो कई बार खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं तो यह जरूरी है कि आप हर वक्त सतर्क रहें और सुरक्षा से जुड़ी हर छोटी बात को फॉलो करें.

आपकी एक गलती मुसीबत खड़ी कर सकती है. 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (International Women's Day 2022) मनाया जाता है. इस मौके पर आप बेसिक सेफ्टी टिप्स सीख कर अन्य महिलाओं को भी ये सब सिखा सकती है. हम आपको बता रहे हैं कि आप अपनी सुरक्षा के लिए किन बातों का हमेशा ख्याल रखें और सुरक्षा के लिए किन सेफ्टी टिप्स (Safety Tips) को फॉलो करें.

पुलिस वेरिफिकेशन के बाद हाउस हेल्प पर रखें

घर के काम के लिए अगर आप हाउस हेल्पर रखती हैं तो किसी भरोसेमंद हाउस हेल्प को लें और उसका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं.

सेफ्टी डोर लगवाएं

अगर आप घर पर अकेली रहती हैं तो घर पर सेफ्टी डोर लगवाएं. ताकि आपका दरवाजा कोई न खोल सके और आप डबल श्योर रह सकें. घंटी बजने पर तुरंत दरवाजा ना खोलें बल्कि पहले सेफ्टी डोर से देखें.

फोन हमेशा रखें फुल चार्ज

लोकेशन ट्रैकर ऑन करें

लेट नाईट ट्रैवल करते समय आप लाइव लोकेशन ट्रैक करते रहें.

पेपर स्प्रे रखें

अपने हैंडबैग में हमेशा पेपर स्प्रे रखें. अगर कोई अनजान व्यक्ति आपसे जबरदस्ती करने की कोशिश करे तो आप तुरंत उसकी आंखों में इसे स्प्रे कर सकती हैं. ऐसा करने से आपको वहां से भागने में आसानी होगी.

प्रेग्नेंसी के पूरे 9 महीने रहना है हेल्दी और मेंटली स्ट्रॉन्ग, तो महिलाएं जरूर फॉलो करें ये 10 टिप्स

प्रेग्नेंसी के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु (Baby) की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत (Health) के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें.

मां बनने का अहसास दुनिया का सबसे खुशनुमा अहसास होता है, लेकिन जरा सी भी लापरवाही बरती जाए, तो प्रेग्नेंसी (Pregnancy) के पूरे नौ महीने तकलीफदायक भी हो सकती है. प्रेग्नेंसी को तीन ट्राइमेस्टर में बांटा गया है, पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही. इसमें पहली और तीसरी तिमाही काफी नाजुक होती है. इस पीरियड के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें. यहां हम आपको कुछ टिप्स (How to stay fit during pregnancy) बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप खुद को रख सकती हैं हेल्दी और फिट'.

हेल्दी प्रेग्नेंसी के 10 टिप्स

1 टीओआई की खबर के अनुसार, गर्भावस्था के पूरे 9 महीने खानपान में कोई भी लापरवाही ना बरतें. आप जो भी खाएंगी वो आपके शिशु को भी लगेगा. अक्सर, प्रेग्नेंसी के पहले महीने में कुछ महिलाओं को उल्टी, मितली, भूख न लगना, थकान जैसी परेशानियां होती हैं, जिससे उनका खानपान भी गड़गड़ हो जाता है. अपने डाइट में हल्की भुनी पसंदीदा सब्जियों को शामिल करें. फाइबर से भरपूर सब्जियां, फल खाएं. हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों के सेवन से आपका शिशु भी हेल्दी होगा.

2 प्रेग्नेंसी के दिनों में शरीर में आयरन की कमी न होने दें. अक्सर महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है, जिससे उनमें खून की कमी हो जाती है. वे एनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. आयरन से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करें. इसके अलावा, विटामिन सी के साथ आयरन लें ताकि शरीर में आयरन एब्जॉर्प्शन सही हो सके. आप दाल, फल, मीट खाएं. नींबू पानी, संतरा का जूस पीकर भी आयरन एब्जॉर्प्शन को बढ़ा सकती हैं.

3 आप खुद को हाइड्रेटेड रखने की कोशिश करें. अपने साथ हमेशा एक बोतल पानी रखें और बीच-बीच में पानी पीती रहें. साथ ही नारियल पानी, स्मूदी, फलों से तैयार जूस और शेक्स भी पी सकती हैं, ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो. डाइट में उन फलों को शामिल करें, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है. खीरा, खरबूज, टमाटर, लौकी, तरबूजा आदि खाएं, खासकर गर्मी के सीजन में. इतना ही नहीं

4 फॉलिक एसिड का सेवन भी प्रेग्नेंसी के दिनों में बहुत जरूरी होता है. इसे आप हरी पत्तेदार सब्जियों, दालें, फोर्टिफाइड अनाज के सेवन से पा सकती हैं. प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में आपको फॉलिक एसिड सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत होगी, क्योंकि यह भ्रूण को हेल्दी रखने में मदद कर सकता है.

5 दिन भर में हेल्दी स्नैक्स का सेवन करना भी है जरूरी. इसके लिए आप रोस्टेड बादाम, काजू खाएं. ड्राई खुबानी, प्रोटीन बार्स, सीरियल बार्स अपने साथ रखें और थोड़े-थोड़े गैप में खाती रहें.

6 हेल्दी प्रेग्नेंसी तभी संभव है, जब आप प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लेंगी. सारा दिन काम करके शरीर थक जाता है, ऐसे में आराम करना भी जरूरी है. गर्भावस्था में बायीं करवट लेकर सोएं. बायीं करवट में सोने से शरीर में रक्त प्रवाह सही से होता है और पेट पर दबाव भी कम पड़ता है. एक बात का ध्यान रखें कि आपका बिस्तर और तकिया कंफर्टेबल हो.

7 शारीरिक रूप से एक्टिव रहें, कुछ हल्के एक्सरसाइज, योग करें. प्रतिदिन रात में डिनर करने के बाद 15-30 मिनट टहलें. इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही बना रहेगा. आप फिजिकली और इमोशनली फिट महसूस करेंगी. डिलीवरी के समय अधिक समस्या नहीं होगी.

8 प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ चीजों के सेवन से बचना चाहिए जैसे कच्चा या अधपका मांस, कच्चा अंडा, पपीता. उबला अंडा खा सकती हैं, पर ध्यान रखें कि पीला वाला भाग अच्छी तरह से पक गया हो.

9 बहुत ज्यादा किसी बात को लेकर चिंतित या स्ट्रेस में न रहें. इससे मानसिक और शारीरिक सेहत को नुकसान पहुंच सकता है. यदि आपको डिलीवरी के दौरान होने वाली समस्याओं को लेकर अभी से स्ट्रेस, डर बैठ गया है, तो इससे उबरने के लिए योग, डीप-ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें. स्ट्रेस मैनेज करने के लिए टहलें, स्ट्रेचिंग करें.

10 प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत अधिक चाय, कॉफी पीने से बचें. कॉफी में मौजूद कैफीन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. बेहतर है की आप नींबू वाली चाय, हर्बल टी या कैफिन रहित ड्रिंक्स का सेवन करें.

महिलाओं में वजन बढ़ना कई बीमारियों की है वजह, हो सकती हैं ये 8 शारीरिक और मानसिक समस्याएं

सिर्फ मोटापे (obesity) की वजह से लाखों महिलाएं (women) जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं मोटापे को दूर रखें और सक्रिय रहकर एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक (Physical) और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

पुरुषों की तुलना में मोटापे (obesity) की समस्या महिलाओं (women health) में अधिक देखने को मिलती है. मोटापा आमतौर पर चलने फिरने की कमी, असक्रिय लाइफ स्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट, हार्मोनल बदलाव आदि के कारण हो सकता है. मोटापे के कारण महिलाओं में कई शारीरिक (Physical) और मानसिक (Mental) समस्याएं हो सकती हैं. मोटापे की वजह से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और हार्ट हेल्थ प्रभावित हो सकती है. जबकि नॉर्मल लाइफ में उन्हें चलने, फिरने, उठने, बैठने और अपने दैनिक कामों में भी परेशानी आ सकती है. यही नहीं, वजन के अनियंत्रित होने से मन और दिमाग पर भी इसका बुरा असर पड़ता है. अधिक मोटापे से महिलाओं में अनिद्रा, तनाव और चिंता जैसी मानसिक समस्याएं देखने को मिलती हैं. साथ ही कई महिलाएं बॉडी शेमिंग की वजह से अपना आत्मविश्वास खो देती हैं.

यूएस वुमंस हेल्थ के मुताबिक, सिर्फ मोटापे की वजह से लाखों महिलाएं जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

महिलाओं में मोटापे से होने वाली समस्याएं

हार्ट संबंधी समस्याएं

दरअसल वजन बढ़ने के कारण कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है और हाई बीपी के कारण हार्ट अटैक की समस्या भी हो सकती है. इससे शरीर में कई और परेशानियां भी हो सकती हैं और आप जल्दी बीमार पड़ सकते हैं.

डायबिटीज

मोटापे के कारण ब्लड में ग्लूकोज का लेवल बढ़ जाता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ता है. यह आपके शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है.

हाई ब्लड प्रेशर

वजन बढ़ने से महिलाओं में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है और ब्लड सर्कुलेशन के लिए हार्ट पर अधिक दबाव पड़ने से हार्ट और रक्त वाहिकाओं दोनों को नुकसान पहुंच सकता है और ब्रेन हैमरेज का खतरा भी हो सकता है.

डिप्रेशन

ज्यादातर किशोरावस्था में लड़कियों में देखा जाता है कि मोटापा बढ़ने से उनमें बॉडी शेमिंग जैसी फीलिंग्स आ जाती है और धीरे-धीरे वे चिंता और डिप्रेशन में चली जाती हैं.

फैटी लीवर प्रॉब्लम

फैटी लीवर में आपके लीवर में फैट बनने लगता है और आपको कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं. यह ऑयली फूड, कैलोरी और फ्रूक्टोज के कारण भी हो सकता है. मोटापा और डायबिटीज फैटी लीवर के मुख्य कारणों में से एक है.

किडनी प्रॉब्लम

मोटापे के कारण किडनी में भी परेशानी हो सकती है. इससे ब्लड फिल्टर करने में परेशानी आती है और डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी बढ़ सकती है.

अनिद्रा की समस्या

महिलाओं को कई बार रात में अच्छे से नींद नहीं आती. इसकी वजह बढ़े वजन और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं.

मूड स्वींग

मोटापे के कारण आपके शरीर में कुछ हार्मोनल बदलाव भी आ सकते हैं जिसके कारण मूड स्विंग हो सकता है. कभी-कभी मूड स्विंग होने पर महिलाएं बहुत ज्यादा खाना खाने लगती हैं, जिससे आपकी समस्या और बढ़ सकती है.

ब्रीफ न्यूज

मीनाक्षी लेखी बोलीं- मालीवाल से छेड़छाड़ के आरोप दिल्ली को बदनाम करने की साजिश

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की प्रमुख स्वाति मालीवाल से छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर दावा किया कि ये आरोप राष्ट्रीय राजधानी को बदनाम करने के लिए दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा रची गई साजिश का हिस्सा हैं। इसी के साथ लेखी भी इस मामले को लेकर 'आप' की आलोचना करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की सूची में शामिल हो गईं। लेखी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वह ''दिल्ली को बदनाम और बर्बाद करने के लिए किस हद तक जाएंगे।'' लेखी ने दावा किया कि जिस व्यक्ति पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है, वह 'आप' सदस्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये आरोप दिल्ली को बदनाम करने की साजिश के तहत लगाए गए हैं। भाजपा नेताओं का आरोप है कि 'आप' सरकार द्वारा नियुक्त मालीवाल ने केंद्र के अधीन आने वाली दिल्ली पुलिस को निशाना बनाने के लिए जानबूझकर इस घटना की पृष्ठभूमि तैयार की। मालीवाल ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के बाहर नशे में धुत एक कार सवार ने उनके साथ छेड़छाड़ की और फिर उन्हें अपनी गाड़ी से 10-15 मीटर तक घसीटा। मालीवाल का दावा है कि गाड़ी की खिड़की में उनका हाथ फंस गया था, तभी वाहन चालक ने कार आगे बढ़ा दी। इस मामले में 47 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। भाजपा नेता मनोज तिवारी, शाजिया इल्मी और वीरेंद्र सचदेवा ने आरोपी के 'आप' से कथित रूप से संबंधित होने को लेकर पार्टी पर निशाना साधा था।

स्वाति मालीवाल को घसीटने वाला वीडियो फेक स्टिंग? DCW चीफ ने कहा- बीजेपी मेरे बारे में कर रही है गंदी बातें

नई दिल्ली। बीते दिनों दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ एक हैरान कर देने वाली घटना हुई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। स्वाति मालीवाल के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने स्वाति मालीवाल से छेड़छाड़ के दावों पर सवाल उठाए थे और इसे एक नाटक और साजिश करार दिया था।

स्वाति मालीवाल ने किया बीजेपी पर पलटवार

आपको बता दें अब इस पर स्वाति मालीवाल ने कड़ा पलटवार करते हुए इस तरह के बयान जारी करने वाले नेताओं को फटकार लगाई है। दरअसल, बीजेपी के कुछ नेताओं कहा था कि जिस व्यक्ति पर उन्होंने आरोप लगाया है। वह आम आदमी पार्टी का सदस्य है।

स्वाति मालीवाल ने इसके खिलाफ प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जिन्हें लगता है मेरे बारे में झूठी और गंदी बातें कर मुझे डरा देंगे उनको बता दूं मैंने सर पर कफन बांध इस छोटी सी जिंदगी में बहुत बड़े काम किए हैं। मुझपर कई अटैक हुए पर मैं रुकी नहीं। हर अत्याचार से मेरे अंदर की आग और बढ़ी। मेरी आवाज कोई नहीं दबा सकता जब तक जिंदा हूं लड़ती रहूंगी₹

बीजेपी संसद ने मामले पर उठाए थे सवाल

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने भी इस मामले को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में हरीश चंद्र सूर्यवंशी को आम आदमी पार्टी के विधायक के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। उन्हें मामले में आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दिल्ली पुलिस की सराहना की थी लेकिन इस मामले को 'फर्जी स्टिंग' बताया था।

KMP होकर निकलें: रात 10 बजे से 15 घंटे भारी वाहनों का दिल्ली में प्रवेश बंद, ट्रैफिक पुलिस की एडवाइजरी

दिल्ली-जयपुर हाइवे पर जयपुर की ओर से आने वाले वाहनों को पचगांव चौक से सोनीपत के रास्ते से दिल्ली के बाहर निकाला जाएगा।

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली-जयपुर हाइवे पर जयपुर की ओर से आने वाले वाहनों को पचगांव चौक से सोनीपत के रास्ते से दिल्ली के बाहर निकाला जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने अपील जारी किया है कि इस दौरान वाहन निकालने से लोग बचें।

गुरुग्राम। गणतंत्र दिवस की परेड और उसकी तैयारियों को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी किया है। इसमें पहले चरण में भारी वाहनों को प्रवेश दिल्ली में रविवार रात 10 बजे से बंद होगा, इसे सोमवार को डेढ़ बजे दोपहर में खोला जाएगा। इसी तरह 25 जनवरी की रात को भारी वाहनों का प्रवेश बंद होगा गणतंत्र दिवस पर डेढ़ बजे खुलेगा। इस दौरान दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया है। यह वाहन केएमपी से होकर निकलेंगे।

सुरक्षा व सुगम यातायात संचालन के लिए गुरुग्राम पुलिस द्वारा पंचगांव चौक, मानेसर चौक, सिरहोल बॉर्डर व कापड़ीवास चौक पर जाम होने की परिस्थितियों में बिलासपुर, केएमपी, फर्रुखनगर, हिमगिरी चौक, हीरो होंडा चौक, शंकर चौक, इफ्को चौक, सिग्नेचर टावर चौक, उद्योग विहार, खेड़की दौला टोल प्लाजा से यातायात के वैकल्पिक रास्ते निर्धारित किए गए है।

दिल्ली-जयपुर हाइवे पर जयपुर की ओर से आने वाले वाहनों को पचगांव चौक से सोनीपत के रास्ते से दिल्ली के बाहर निकाला जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने अपील जारी किया है कि इस दौरान वाहन निकालने से लोग बचें।

गणतंत्र दिवस की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस आयुक्त कला रामचन्द्रन ने सुरक्षा प्रबंधों पर तैनात किए गए पुलिस बल का निरीक्षण उच्च अधिकारियों व थाना प्रबंधकों की ओर से समय-समय पर किया जाएगा। प्रत्येक जगह की हालात का मुआयना करते हुए उचित पुलिस सहायता प्रदान की जाएगी साथ ही तैनात पुलिस बल के अतिरिक्त सभी थाना प्रभारी, अपराध शाखा प्रभारी, ट्रैफिक थाना प्रभारी व ट्रैफिक पुलिस के लोग अपनी टीम के साथ अपने क्षेत्र में गस्त करेगें।

गणतंत्र दिवस पर होने वाले आयोजन स्थलों पर व उनके आसपास गुरुग्राम पुलिस द्वारा विशेष पुलिस सुरक्षा प्रबंध किए गए है। समारोह स्थलों में अंदर जाने के लिए थ्री लेयर चेंकिंग सुरक्षा सहित गुरुग्राम पुलिस सभी सुरक्षा उपकरणों के साथ तैनात रहेगी।

गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय पर्व है, जिसका किसी राजनीतिक दल विशेष से कोई सम्बन्ध नहीं है, इस पर्व के आयोजन में यदि कोई व्यक्ति या दल किसी प्रकार की अप्रिय घटना को अंजाम देता है तो गुरुग्राम पुलिस द्वारा उसके खिलाफ नियमानुसार तत्परता से कार्यवाही करने के लिए अपने सभी संसाधन व सुरक्षा उपकरणों के साथ तैनात है।

गुरुग्राम पुलिस की आमजन से अपील है कि अपने आसपास कोई लावारिस/संदिग्ध वस्तु या कोई संदिग्ध व्यक्ति के बारे में कोई भी जानकारी हो तो तुंरत उसकी सूचना 112, पुलिस कंट्रोल रूम या नजदीकी पुलिस थाने या चौकी को दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। भारतवर्ष के इस राष्ट्रीय पर्व को शांतिपूर्वक मनाए तथा किसी भी प्रकार कानून व्यवस्था को भंग करने का प्रयास ना करें।

गुरुग्राम पुलिस की निम्नलिखित टीमों को भी चिन्हित बिंदुओं पर तैनात किया गया हैः-

1. पुलिस राइडर्स टीमें
2. पुलिस पीसीआर टीमें
3. इंटेलीजेंस टीमें
4. क्रेन व फायर ब्रिगेड टीमें

राजधानी में ओपन रेस्तरां लाइसेंस प्रक्रिया शुरू, MCD की वेबसाइट पर जाकर ऐसे करें अप्लाई

एनटीवी संवाददाता

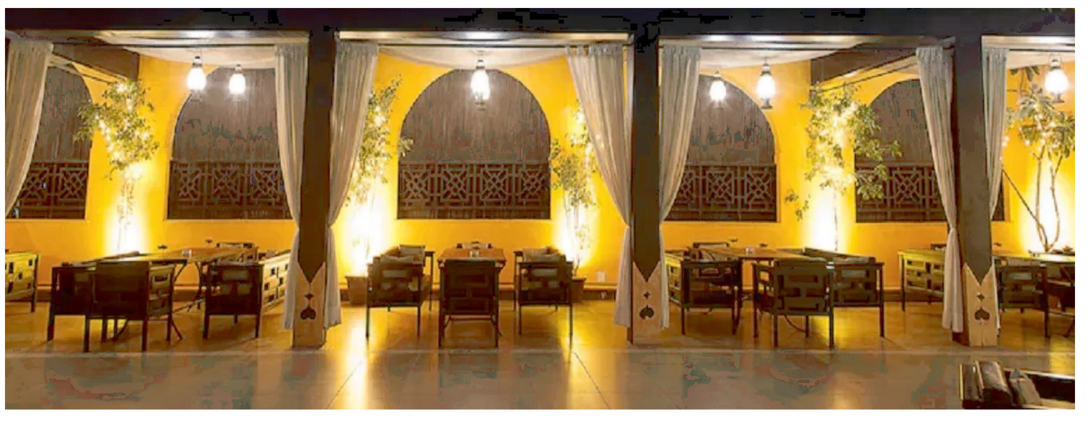

नई दिल्ली। होटल, रेस्तरां मालिक ओपन-स्पेस डाइनिंग के लिए अब बेहद आसान तरीके से ऑनलाइन लाइसेंस ले सकते हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए एमसीडी ने खुले क्षेत्र व छत आदि पर खाना परोसने के लिए ऑनलाइन लाइसेंस देने की सुविधा शुरू की है। इच्छुक व्यवसायी एमसीडी पोर्टल से इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदनकर्ता को एमसीडी की वेबसाइट पर जाकर निर्धारित निर्देशों के अनुरूप जरूरी दस्तावेज की पीडीएफ फाइल अपलोड करना होगा। इसके लिए वार्षिक लाइसेंस शुल्क 200 रुपये प्रति वर्ग फुट होगा। वहीं, स्टार होटलों (4 स्टार या इससे ऊपर) के मामले में वार्षिक लाइसेंस शुल्क 500 रुपये प्रति वर्ग फुट होगा। निर्धारित शुल्क ऑनलाइन ही जमा होगा। लाइसेंस मिलने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। एमसीडी ने रेस्तरां और भोजनालयों को छतों के साथ-साथ उनसे जुड़े खुले स्थानों में ओपन-स्पेस डाइनिंग के लिए नवंबर में लाइसेंस देने की प्रक्रिया शुरू की थी। अब ऑनलाइन लाइसेंस दिया जा रहा है। करीब 200 से अधिक रेस्तरां को इसके लिए लाइसेंस दिए गए हैं।

ये महत्वपूर्ण नियम जानना जरूरी

आवेदक को खुली जगह व छत को भोजन परोसने के रूप में उपयोग करने के लिए भूमि के संबंधित मालिक से अनापत्ति प्रमाणपत्र लेकर प्रस्तुत करना होगा। किसी भी अन्य दुकान के सामने खुले स्थान, किसी अन्य की छत का उपयोग इसके लिए करने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा पंजीकृत स्ट्रक्चरल इंजीनियर द्वारा बिल्डिंग स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य होगा और साथ ही आवेदक क्षतिपूर्ति बांड भी जमा करेगा। अग्नि सुरक्षा के मौजूदा मानदंड लागू होंगे।

बिना विलंब के आसानी से मिलेगा लाइसेंस

निगम नागरिकों से जुड़ी सेवाओं को पारदर्शी व सरल बनाने के लिए लाइसेंस देने की सारी प्रक्रिया ऑनलाइन कर रहा है। नागरिकों को इससे बिना किसी विलंब और निगम कार्यालयों के चक्कर लगाए आसानी से लाइसेंस मिल पाएगा।

केजरीवाल सरकार ने खाली सीटें भरने को SC-ST छात्रों के लिए कट-ऑफ कम करने का किया आग्रह

एनटीवी संवाददाता

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह को पत्र लिखकर प्रवेश प्रक्रिया के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के छात्रों को पेश आ रही दिक्कतों को रेखांकित करते हुए खाली सीटों को भरने के वास्ते उनके लिए कट-ऑफ कम करने का आग्रह किया है।

डीयू में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया पहली बार केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के माध्यम से की गई है, जो पिछले साल दिसंबर में संपन्न हुई। हालांकि, इस दौरान विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों के तहत उपलब्ध कुल 70,000 सीटों में से हजारों सीटें नहीं भरी जा सकीं।इस बीच, डीयू के कुलपति ने दाखिले को फिर से खोलने की किसी भी योजना से इनकार करते हुए कहा है कि पहले सेमेस्टर की पढ़ाई खत्म होने की कगार पर है, ऐसे में नए छात्रों को लेना संभव नहीं है।

कट-ऑफ अंक घटाकर खाली सीटों को भरने का अनुरोध

दिल्ली के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद ने शुक्रवार को सिंह को पत्र लिखकर डीयू से संबद्ध कॉलेजों में एससी-एसटी छात्रों के लिए कट-ऑफ अंक घटाकर रिक्त सीटों को भरने का अनुरोध किया था।आनंद ने कहा था, "मौजूदा साल में डीयू में अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए आरक्षित सीटों में से हजारों सीटें खाली पड़ी हैं, क्योंकि इस वर्ष इन छात्रों के दाखिले के लिए पुरानी प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है और प्रवेश सीयूईटी में प्राप्त अंकों या रैंक के आधार पर मिल रहा है।"उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति की सीटें खाली रहने पर कट-ऑफ अंक कम कर देता था।

प्रवेश मानदंड में ढील देने का अनुरोध किया

आनंद ने दावा किया, "मौजूदा वर्ष में पुरानी प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। चूंकि, अनुसूचित जाति के छात्रों का प्रवेश सीयूईटी में प्राप्त अंकों/रैंक के आधार पर हो रहा है, इसलिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को परेशानी हो रही है।"उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने डीयू के कुलपति से इस मुद्दे पर फिर से गौर करने और अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए कट-ऑफ अंक कम करके रिक्त सीटों को भरने के लिए प्रवेश मानदंड में ढील देने का अनुरोध किया है। हम सबसे गरीब बच्चों को गुणवत्ता परक शिक्षा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

दाखिला प्रक्रिया को फिर शुरू करना संभव नहीं

डीयू में इस शैक्षणिक सत्र में स्नातक पाठ्यक्रमों की 65,000 से अधिक सीटें भरी जा चुकी हैं। जबकि, विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में लगभग 5,000 स्नातक सीटें खाली रह गई हैं।योगेश सिंह ने कहा कि केवल उन पाठ्यक्रमों में सीटें खाली हैं, जिनकी मांग नहीं है।उन्होंने कहा, "मैं जानता हूं कि सीटें खाली हैं, लेकिन संबंधित पाठ्यक्रमों की मांग नहीं है। सीटें भरें, यह सुनिश्चित करने के लिए हमने सभी कदम उठाए हैं। हालांकि, सीटें खाली रह गई हैं। हमने इस वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली है और यहां तक कि पहला सेमेस्टर भी समाप्त होने वाला है।

कनॉट प्लेस के एक होटल में भीषण आग, दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कॉनट प्लेस में भीषण आग लग गई। ये आग सिनसिटी रेस्ट्रोरेंट एंड बार में लगी है।बता दें हादसे की सूचना मिलते ही दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने की कोशिश में जुट गईं। हादसे में फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक सुबह 8.52 बजे एफ-ब्लॉक के पीछे सन सिटी होटल में आग लगने की सूचना मिली।गर्ग ने कहा, दमकल की आठ गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। फायर टेंडर ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। कनॉट प्लेस के जिस होटल में आग लगी है उसका नाम सन सिटी बताया जा रहा है। ये आग सन सिटी होटल के पिछले हिस्से में लगी थी। आग इतनी खतरनाक थी कि धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा रहा था। फिलहाल, इस बात की जानकारी नहीं मिली है कि होटल सनसिटी में आग कैसे लगी?

मालीवाल का स्टिंग फर्जी: BJP का आरोप, ये दिल्ली को बदमान करने की साजिश, उपराज्यपाल से की निलंबित करने की मांग

भाजपा नेताओं ने सवाल करते हुए पूछा है कि आखिर दिल्ली को बदनाम करने के लिए अरविंद केजरीवाल आखिर कितना नीचे गिरेंगे।

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी भी अब उन भाजपा नेताओं में शामिल हो गईं हैं जिन्होंने स्वाति मालीवाल के छेड़छाड़ वाले आरोपों को गलत बताया है और इसे दिल्ली की छवि को खराब करने के लिए षड्यंत्र बताया गया है। स्वाति मालीवाल प्रकरण के बहाने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए भाजपा ने कहा है कि आखिर दिल्ली को बदनाम करने के लिए वह किस हद तक गिरेंगे। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने जिस शख्स पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, वह आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है। मीनाक्षी लेखी का आरोप है कि यह दिल्ली को बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है।

भाजपा का मानना है कि मालीवाल जिसे आप सरकार ने नियुक्त किया है उन्होंने यह पूरी साजिश दिल्ली पुलिस की छवि को धूमिल करने के लिए की क्योंकि पुलिस केंद्र सरकार के अधीन आती है।

स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया था कि जब वह रात में रियलिटी चेक के लिए निकली थीं तो एक शराब के नशे में धुत शख्स ने उनका शोषण किया और फिर उन्हें 10-15 मीटर तक घसीटा। यह घटना एम्स के बाहर हुई थी। आरोपी का नाम हरीश चंद्र (47) है।

मीनाक्षी लेखी से पहले मनोज तिवारी, शाजिया इल्मी और पार्टी की इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी पर इस पूरे मामले के लिए आरोप लगाया था।

नोएडा में 400 वाहनों की हाइड्रोलिक पार्किंग तैयार, जाम से मिलेगी राहत

एनटीवी न्यूज

यूपी के नोएडा में प्रदेश की पहली हाइड्रोलिक पार्किंग बन कर तैयार हो गई है जिसमें एक पैनल पर दो वाहन खड़े किए जा सकते हैं। सेक्टर 15 के पास मौजूद इस पार्किंग की क्षमता करीब 400 वाहनों की होगी।

नोएडा। शहर में यातायात जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है कि सड़क पर वाहनों की पार्किंग को रोका जाए। यदि सरफेस के रूप में सड़क पर वाहन को पार्किंग कराए जाने की मजबूरी हो तो उसे व्यवस्थित ढंग से कराया जाए। इसी बीच नोएडा प्राधिकरण को पहली हाइड्रोलिक पार्किंग भी मिल गई है। इसे लीज डीड शर्त के तहत एक निजी कंपनी ने तैयार किया है। इसमें 400 वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था होगी।

आगरा और बरेली में भी शुरू होगीं हाइड्रोलिक पार्किंग

प्रदेश की यह पहली हाइड्रोलिक पार्किंग है, जिसे जल्द ही प्राधिकरण को हैंड ओवर किया जाएगा। वैसे प्रदेश के बरेली में 30 वाहनों की हाइड्रोलिक पार्किंग को मंजूरी वर्ष 2020 में मिली थी। जबकि आगरा में वर्टीकल हाइड्रोलिक वाहन पार्किंग तैयार करने का फैसला वर्ष 2021 में लिया गया। लेकिन अभी ये शुरू नहीं हो पाई हैं।

नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल एक वरिष्ठ प्रबंधक डोरी लाल वर्मा ने बताया कि यह पार्किंग सेक्टर-एक गोलचक्कर के पास ही बनी है। इसको व्यावसायिक भूखंड में तैयार किया गया है। यह भूखंड नोएडा प्राधिकरण की ओर से सेवन आर होटल्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था।

प्रदेश की पहली हाइड्रोलिक पार्किंग

लीज डीड शर्त के मुताबिक इसे तैयार किया गया है और इसका प्रयोग नोएडा प्राधिकरण करेगा। यह शहर ही नहीं, बल्कि यह प्रदेश की पहली हाइड्रोलिक पार्किंग है, जिसमें एक पैनल पर दो वाहन खड़े किए जा सकते हैं। एक वाहन को हाइड्रोलिक के जरिये ऊपर कर दिया जाता है, दूसरी कार उसके नीचे खड़ी हो सकती है। इस तरह से कम स्पेस में 400 वाहनों की पार्किंग को बनाया गया है। पार्किंग हैंड ओवर लेने के लिए कंपनी की ओर से लिखित पत्र जारी किया गया है। हैंड ओवर लेने से पहले हाल ही में इसका निरीक्षण उप महाप्रबंधक (सिविल) श्रीपाल भाटी ने किया।

नोएडा के सबसे बिजी मार्ग पर स्थित है पार्किंग

हाइड्रोलिक प्लेटफार्म में कुछ कमियां थीं, उनको दूर करने के लिए कहा गया। जिस स्थान पर यह पार्किंग है, वह नोएडा का सबसे व्यस्ततम मार्ग है। यहां पर सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन भी है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) इस पार्किंग को ले सकती है।

जाम से मिलेगी राहत

पार्किंग बनने से सेक्टर-15 नयाबांस, सेक्टर-एक गोलचक्कर समेत आसपास के स्थानों पर जाम की समस्या कुछ हद तक दूर होगी। क्योंकि ये सड़क नोएडा को दिल्ली से जोड़ती है। इस जगह पर मेट्रो स्टेशन के नीचे ही पार्किंग होती है। ऐसे में सर्विस लेन पर जाम लगा रहता है। नई पार्किंग आने के बाद सर्विस लेन फ्री हो जाएगी और लोगों को जाम से राहत मिलेगी।

करीब चार वर्ष से चल रहा था काम

करीब तीन-चार साल से हाइड्रोलिक पार्किंग बनाने का काम चल रहा था। अब हाइड्रोलिक वाहन पार्किंग बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। इस बहुमंजिला वाहन पार्किंग का जिम्मा वर्क सर्किल संभालेगा। हालांकि नोएडा ट्रैफिक सेल भी इसे लेने के प्रयास में है।

शहर में संचालित भूमिगत वाहन पार्किंगपार्किंग और उसकी क्षमता

सेक्टर-5 318

सेक्टर-1 534

सेक्टर-3 565

शहर में संचालित बहुमंजिला वाहन पार्किंग और पार्किंग की क्षमता

सेक्टर-16 ए 1400

सेक्टर-38ए 7000

सेक्टर-18 2500

भारतीय चुनाव दुनिया में सबसे बड़ा प्रबंधन अभ्यास : चुनाव आयुक्त

वसुंधरा। भारत के चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय ने कहा कि भारत के चुनावी इतिहास से अनेक मूल्यवान लीडरशिप और प्रबंधन के सबक लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय चुनाव दुनिया में सबसे बड़ा प्रबंधन अभ्यास है। हमारे पास 95 करोड़ मतदाताओं का आधार है, 10 लाख मतदान केंद्र हैं और 1 करोड़ कर्मचारी उन बूथों पर काम करते हैं जो वोटों का व्यवस्थित रूप से मतदान सुनिश्चित करते हैं।

चुनाव आयुक्त ने शुक्रवार को सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के परिसर में लीडरशिप टॉक कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने 'भारत में चुनावों की 70 वर्ष की यात्रा अनुभव, मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को संबोधित किया।

चुनावों के इतिहास को किया याद

चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग के विकास में चुनाव अभियानों का नियमन, आदर्श आचार संहिता की अवधारणा, परिसीमन की चुनौतियां, दो चुनाव आयुक्तों को शामिल करने के साथ ईसीआई का पुनर्गठन, बूथ-स्तर के अधिकारी, मतदाता सूची को सुव्यवस्थित करना, मतदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करना, पिंक बूथ और रिमोट वोटिंग मशीन के प्रस्ताव की नवीनतम पहल जैसे अनेक मील के पत्थर पार किए। अनूप चंद्र पांडेय ने पहले मुख्य सचिव और उत्तर प्रदेश के अवसंरचना व औद्योगिक विकास आयुक्त के रूप में कार्य किया है।

चुनाव आयुक्त ने दिए छात्रों के जवाब

लीडरशिप टॉक के बाद प्रश्नोत्तर सत्र और छात्रों के साथ एक पॉडकास्ट हुआ, जिस दौरान चुनाव आयुक्त ने सवालों के जवाब देने और संदेह दूर करने के लिए अनेक जानकारी साझा की।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में गाजियाबाद के एडीएम (सिटी) बिपिन कुमार सिंह, सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन शिशिर जयपुरिया और ग्रुप के सलाहकार विनोद मल्होत्रा भी शामिल हुए। मेजबानों में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. देवेंद्र नारंग, जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस के महानिदेशक डॉ. राजीव आर ठाकुर और गाजियाबाद स्कूल की निदेशक प्राचार्य शालिनी नांबियार समेत अन्य मौजूद रहे।रू हो गया है। पुनरुद्धार के कार्य में 196 पेड़ आड़े रहे हैं, जिनमें से करीब 140 पेड़ों को काटा जा चुका है।

2025 तक बन जाएगा नया भवन

पुनरुद्धार का काम सिंधुजा जोइंट वेंचर्स प्रा. लि. कर रही है, जिसकी लागत 363 करोड़ रुपये है। गाजियाबाद जंक्शन के नए भवन का निर्माण होने की डेडलाइन जून 2025 रखी गई है। गाजियाबाद जंक्शन का कार्यदायी संस्था ने ड्रोन कैमरे के जरिए सर्वे कराया है। सर्वे के साथ ही अलग-अलग जगहों पर होने वाले निर्माण कार्यों की जियो टैगिंग की गई है।

अब शुरू होगा ड्राइंग का काम

अब डीपीआर के आधार पर अलग-अलग कार्यों के ड्राइंग तैयार करने का काम शुरू होगा। ड्राइंग को रेलवे की टेक्निकल कमेटी की सहमति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। नए भवन में पुराना फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) तोड़कर अलीगढ़ की तरफ एक नया एफओबी बनेगा। प्लेटफार्म तीन व चार पर बने अधिकारियों के कार्यालय बजरिया साइड में शिफ्ट होंगे।

पहले तल पर रहेगा फूड कोर्ट

वहीं आरपीएफ व जीआरपी थाना और कोर्ट विजयनगर साइड में 400 वर्गमीटर में बनेंगे। सभी प्लेटफार्म पूरी तरह से खाली रहेंगे। पहले तल पर फूड कोर्ट व फूड स्टाल होंगे और यहीं पर वेटिंग एरिया भी बनाया जाएगा।अभी गाजियाबाद जंक्शन पर कहीं से कोई भी प्रवेश कर जाता है, लेकिन नये भवन में स्टेशन के विजयनगर और बजरिया साइड में सिर्फ एक-एक प्रवेश द्वार होगा।

कैब लूटने वाले बदमाश को पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में गोली लगने के बाद कैब लूटने वाला एक बदमाश घायल हो गया है। घायल बदमाश की पहचान शुभम उर्फ काले के रूप में हुई है।

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में कैब लूटने वाला एक बदमाश घायल हो गया, घायल को उपचार के लिए पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। बदमाश को पकड़े जाने की जानकारी नोएड़ा पुलिस के सेंट्रल डीसीपी ने दी है। एडिशनल डीसीपी सेंट्रल नोएडा विशाल पांडे ने बताया कि गुरुवार देर रात कैब बुक कराने के बाद बदमाश ने उसे लूट लिया था। शिकायत के आधार पर पुलिस के द्वारा बदमाश की तलाश की जा रही थी। शुक्रवार देर रात लगभग 10:30 बजे पुलिस ने बदमाश को मिलकलच्छी गांव के पास घेर लिया। अपने आप को घिरा देखकर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। बदमाश द्वारा की फायरिंग पर जवाबी फायरिंग करते हुए बदमाश के पैर में गोली लगी है। बदमाश की पहचान शुभम उर्फ काले के रूप में हुई है, जांच के दौरान पता चला है कि आरोपित बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है और उसके ऊपर लगभग 18 मुकदमे दर्ज हैं । बदमाश व उसके सभी साथियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी।

एक्सप्रेस-वे पर बीयर पीते हुए बुलेट चलाते हुए बनाई रील, वीडियो वायरल होते ही पहुंचा हवालात

एनटीवी

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर बीते दिनों बीयर पीकर बुलेट बाइक को चलते हुए रील बनाने वाले व्यक्ति को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते युवक की बाइका 31 हजार रुपए का चालाक भी काटा है।

गाजियाबाद। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद इंटरनेट मीडिया पर लाइक्स और फालोअर्स बढ़ाने की चाहत में युवा सड़क पर स्टंट करने, रास्ता रोककर हाईवे पर बर्थडे मनाने और खुलेआम डांस करने से बाज नहीं आ रहे। शुक्रवार रात एक और युवा को थाना मसूरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसका दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर बुलेट बाइक पर चलते हुए बीयर पीने का वीडियो प्रसारित हुआ था।

31 हजार का चालान भी हुआ

एसीपी सदर निमिष पाटिल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित आनंद है, जो नूरपुर गांव में रहता है। शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर आनंद का यह वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें बैकग्राउंड म्यूजिक भी चल रहा है। वीडियो के आधार पर ट्रैफिक पुलिस ने बाइक का 31 हजार रुपये का चालान किया। वीडियो के आधार पर क्षेत्र की तस्दीक होने के बाद थाना मसूरी पुलिस ने आनंद की पहचान की आज शुक्रवार देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया।

सख्ती का भी असर नहीं

ट्रैफिक पुलिस सात जनवरी से डीएमई के आठ प्वाइंट पर चेकिंग कर बाइक व स्कूटी सवारों के चालान कर रही है, क्योंकि डीएमई पर दो व तीन पहिया वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। ट्रैफिक पुलिस दो सप्ताह में 3,540 वाहनों के 20-20 हजार रुपये के चालान काट चुकी है। लगभग 100 वाहनों को सीज भी किया जा चुका है। बावजूद इसके रील बनाने वालों पर सख्ती का असर नहीं दिख रहा। आनंद ने पुलिस को बताया कि उसने डिडवारी में रेस्ट एरिया के पास से डीएमई पर प्रवेश किया था क्योंकि डासना में दोनोंफ पुलित रहती है।

नोएडा स्टेडियम से आयोजित हुई रन फार जी-20 वाकथान, शहरवासियों ने कदमताल कर दिखाई एकजुटता

शनिवार सुबह आठ बजे सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम से रन फार जी-20 वाकथान आयोजन किया गया है। करीब दो किलोमीटर लंबी इस वाकथान को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

नोएडा। जी-20 सम्मेलन के प्रचार-प्रसार व सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार सुबह आठ बजे सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम से रन फार जी-20 वाकथान आयोजित हुई। इसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल हरी झंडी दिखाई।

नोएडा स्टेडियम के गेट नंबर चार से शुरु हुई वाकथान एडोब चौक होते हुए पुनः गेट नंबर चार पर समाप्त हुई। इसमें एक हजार से अधिक खिलाड़ियों, उद्यमियों, आरडब्ल्यूए, एओए से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। करीब दो किलोमीटर लंबी वाकथान में हर सौ मीटर पर एक-एक अधिकारी फ्लैग सौंपते हुए आगे बढें.। वाकथान के मद्देनजर नोएडा स्टेडियम के सामने की सड़क वाहनों की आवाजाही के लिए प्रतिबंधित रही। इस दौरान नोएडा स्टेडियम के आसपास से गुजरने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वाकथान के सभी रास्तों पर पुलिस का कड़ा पहरा। आयोजन से जुड़े अधिकारियों को छोड़कर किसी को भी कार्यक्रम स्थल तक वाहन के साथ जाने की अनुमति नहीं मिली। लोगों को पार्किंग में अपने वाहनों को खड़ा करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने वाकथान की शुरुआत से लेकर बाद तक सुरक्षा की सभी स्थितियों का जायजा लिया। रन फार जी-20 के मद्देनजर स्टेडियम के चारों ओर सेक्टर 12/22 चौक, स्टेडियम चौक, स्पाइस माल चौक, एडॉब चौक के पास सुबह आठ से ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहा। वाकथान में हिस्सा लेने के लिए सुबह से नोएडा स्टेडियम में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, खिलाड़ी, उद्यमी, एओए, आरडब्ल्यूए से जुड़े पदाधिकारी जुटने लगे थे।

वहीं नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन के अधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए जरूरी तैयारियों का जायजा लिया। वाकथान से पहले जुंबाथान हुई, जिसमें शहरवासी और अधिकारी जमकर थिरके। मुख्यमंत्री द्वारा वाकथाम को हरी झंडी दिखाने के बाद वाकथान में हिस्सा लिया।

वाकथाक के बारे में बताते हुए जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने कहा कि रन फार जी 20 के लिए समाज के सभी वर्गों ने रुचि दिखाई। स्कूली बच्चे, खिलाड़ियों और उद्यमियों ने वाकथान में हिस्सा लिया। गौतमबुद्धनगर को जी-20 की बैठकें और मेजबानी का अवसर मिला है। हमें आशा ही नहीं पूरी उम्मीद है कि अवसर को सफल तरीके से निभाएंगे।

उन्होंने आगे कहा- जी-20 में देश और विदेश से लोग आते हैं पूरी दुनिया की नजर इसपर टिकी रहती हैं जिला पहले से प्रबुद्ध लोगों की नगरी हैं। हम देश की विरासत, परंपरा और संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए जो हमें अवसर मिला है। उसे दुनिया के सामने रखेंगे।

रन फार जी-20 का आयोजन गौतमबुद्धनगर के साथ वाराणसी, लखनऊ और आगरा में किया गया है। जिले में सभी आयोजन सफल हो इसके लिए सभी तैयारियां की जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में नशीले पदार्थ की आपूर्ति करने वाले गिरोह का भड़ाफोड़, शातिर तस्कर गिरफ्तार

दिल्ली-एनसीआर के फार्म हाउसों कालेजों और होटलों में उच्च गुणवत्ता वाली ड्रग और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के शातिर सदस्य को रविवार को एक्सप्रेस-वे कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विपिन के पास से करीब दस लाख रुपये के नशीले पदार्थ बरामद हुए हैं।

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के फार्म हाउसों, कालेजों और होटलों में उच्च गुणवत्ता वाली ड्रग और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के शातिर सदस्य को रविवार को एक्सप्रेस-वे कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरोह का सरगना पुलिस के हाथ नहीं आया है। गिरफ्त में आए शातिर की पहचान दिल्ली के बिंदापुर थानाक्षेत्र के उत्तर नगर के विपिन कुमार के रूप में हुई है।

विपिन के पास से नशीले पदार्थ बरामद

विपिन के पास से करीब दस लाख रुपये के नशीले पदार्थ बरामद हुए हैं,जिसमें 125 एमजी कोकीन, 500 एमजी एमडीएमए ड्रग, 21टेबलेट, 38 एलएसडी टिकली ड्रग/ब्लोटर पेपर, 215 एमजी चरस, 50 ग्राम गांजा पत्ती शामिल है। बरामद हाईप्रोफाइल ड्रग्स की आपूर्ति नोएडा के अलावा समूचे दिल्ली-एनसीआर में की जाती है।

सरगना को हर महीने देता 50 हजार रुपये

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि गिरोह का सरगना किसी दूसरे प्रदेश में है। लोग उससे संपर्क करते हैं और ड्रग्स की मांग करते हैं। सरगना अलग-अलग लोगों के माध्यम से विपिन तक ड्रग्स और कोकीन पहुंचाता था और उसे उस व्यक्ति का पता देता था,जिसे इसकी आवश्यकता होती थी। इसके एवज में सरगना विपिन को 50 हजार रुपये महीना देता था।

गिरोह सरगना पेशे चिकित्सक

नशीले पदार्थ की आपूर्ति करने के बाद कमीशन अलग से मिलता था। गिरोह का सरगना पेशे से चिकित्सक है और उत्तर प्रदेश के अलावा कई अन्य राज्यों में अपने एजेंट के माध्यम से नशीले पदार्थ की तस्करी करवाता है। आरोपित के कब्जे से तस्करी में प्रयोग होने वाली बाइक और मोबाइल भी बरामद हुई है। सरगना सहित गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में कोतवाली पुलिस की एक टीम अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दे रही है।

आनलाइन होती थी पेमेंट

आरोपित ने पूछताछ के दौरान बताया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के हाईराइज सेक्टर और होटलों में महंगे नशीले पदार्थ की मांग की जाती है। नशीले पदार्थ का सेवन करने वाले लोग मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से सरगना से संपर्क करते हैं और आनलाइन पेमेंट मिलने के बाद सरगना ग्राहकों तक नशीले पदार्थ को पहुंचाता है। कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि गिरोह के सरगना सहित अन्य सदस्यों के बारे में अहम जानकारी मिली है,जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

माइलेज के साथ बचत भी होगी 'हाई', इन कारों को खरीदने से पहले बस देख लें ये जरूरी चीजें

अगर आप इन दिनों आप एक हाई-माइलेज कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो बता दें कि इस इन्हें खरीदने से पहले कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे अच्छी कार के साथ ही पैसे की भी बचत होगी।

नई दिल्ली। हाई-माइलेज वाली कार यानी कि प्रति किलोमीटर ज्यादा सेविंग, हर महीने ईंधन पर लगने वाले खर्च में बचत और बार-बार तेल भराने की झंझट से आजादी। हाई-माइलेज वाली कारों में मिलने वाले इन फीचर्स की वजह से ही ज्यादातर लोग इस तरह की गाड़ियों को खरीदना पसंद करते हैं। अगर आप इसका नया मॉडल ले रहे हैं तब ज्यादा कुछ चेक करने की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर इन्हें सेकेंड हैंड कार के रूप में खरीदा जा रहा है तो पहले कुछ चीजों का ध्यान रखना भी जरूरी है। तो चलिए इन बातों पर एक नजर डालते हैं।

असल माइलेज की जानकारी

ज्यादा माइलेज वाली यूज्ड कार की असर माइलेज जानकार आप काफी पैसे की बचत कर सकते हैं। इसके लिए इस तरह की कार खरीदने से पहले इसकी मार्केट में क्या कीमत है इसके बारे में जान लें, फिर टेस्ट ड्राइव के जरिए या मकैनिक की मदद से कार की असल माइलेज का पता लगा लें। इससे वाहन विक्रेता से बाद में कम माइलेज के लिए मोल-भाव किया जा सकता है।

रखरखाव रिपोर्ट

किसी भी हाई-माइलेज वाली कार के लिए यह जरूरी है कि उसका पिछेल कुछ सालों में अच्छी तरह से रखरखाव किया गया हो। इसकी जानकारी के लिए आप कार मालिक से इसकी रखरखाव रिपोर्ट, कोई दुर्घटना रिपोर्ट और अन्य दावे के दस्तावेज मांग सकते हैं।

कितनी चली है गाड़ी

हाई-माइलेज वाली गाड़ियों में अच्छी माइलेज के साथ-साथ इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि यह कितनी मिल तक चली है। सिटी ड्राइविंग की तुलना में कारों को हाईवे कार के इंजन पर कम असर डालते हैं। इस कारण अगर हाई-माइलेज वाली कार हाईवे पर चली हो तो आमतौर पर इसमें अधिक लुब्रिकेटेड होती हैं।

इंटीरियर और एक्सटिरीयर को कर लें चेक

यह सिर्फ हाई-माइलेज कारों के नहीं, बल्कि किसी भी सेकंड हैंड कारो को खरीदने से पहले

ब्रीफ न्यूज

देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली. भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सितंबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

6 घंटे में फुल चार्जः स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

रिवर्स मोड भी मिलेगाः स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को

स्पोर्टी लुक में आती हैं ये 125 सीसी वाली मोटरसाइकिलें, कीमत में भी किफायती

नई बजाज पल्सर 125 कार्बन फाइबर एडिशन की कीमत की बात करें तो इसके सिंगल सीट वर्जन को 89254 रुपये में खरीदा जा सकता है जबकि इसका स्प्लीट सीट वर्जन 91642 रुपये की कीमत पर लाया गया है। (जागरण फाइल फोटो)

नई दिल्ली। इस समय इंडियन मार्केट में एक से बढ़कर एक बेहतरीन बाइक्स उपलब्ध हैं। वहीं अगर बात 125 सीसी की की जाए तो आपको यहां मात्र 1 लाख रुपये के अंदर मिल सकती है। इस खबर के माध्यम से बताने जा रहे हैं उन बाइक्स के बारे में जो 125 सीसी सेगमेंट में काफी स्पोर्टी लुक के साथ आती हैं।

TVS Raider 125

टीवीएस रेडर बेहतरीन माइलेज के साथ-साथ किफायती कीमत में आती है। इसके फ्रंट में क्रॉस-स्टाइल एलईडी डीआरएल के साथ एंगुलर ऑल-एलईडी हेडलैंप मिलता है। इसके साथ इसका फ्यूल टैंक दिखने मे मस्कुलर दिखाई देता है। अगर आप भी 125 सीसी की बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो इसे विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। इसकी कीमत लगभग 90 हजार रुपये के आस पास है।

Bajaj pulsar 125 Carbon Fiber Edition

नई बजाज पल्सर 125 कार्बन फाइबर एडिशन की कीमत की बात करें तो इसके सिंगल सीट वर्जन को 89,254 रुपये में खरीदा जा सकता है, जबकि इसका स्प्लीट सीट वर्जन 91,642 रुपये की कीमत पर लाया गया है। इस बाइक को ब्लू और रेड जैसे दो रंगों में चुना जा सकता है।

Hero Glamour XTech

Glamour Xtec में साइड-स्टैंड विजुअल इंडिकेशन और सेगमेंट में पहली बार 'साइड-स्टैंड इंजन कट-ऑफ' फीचर दिया गया है। इतना ही नहीं मोटरसाइकि में एक बैंक-एंगल-सेंसर भी दिया गया है, जिससे अगर बाइक गिर जाती है तो उस दौरान इंजन बंद हो जएगा। इसकी कीमत लगभग 84 हजार रुपये एक्स-शोरूम दिल्ली के आस पास है।

इलेक्ट्रिक गाड़ी चलाते हैं तो समझे बैटरी खराब होने के ये संकेत

अगर आपको ये पता लगाना है कि कार या स्कूटर की बैटरी खराब तो नहीं हो रही है तो इसका पता लगाना काफी आसान है। आप इन संकेतों को समझकर अपनी इलेक्ट्रिक कार को खराब से होने से पहले ही बचा सकते हैं।

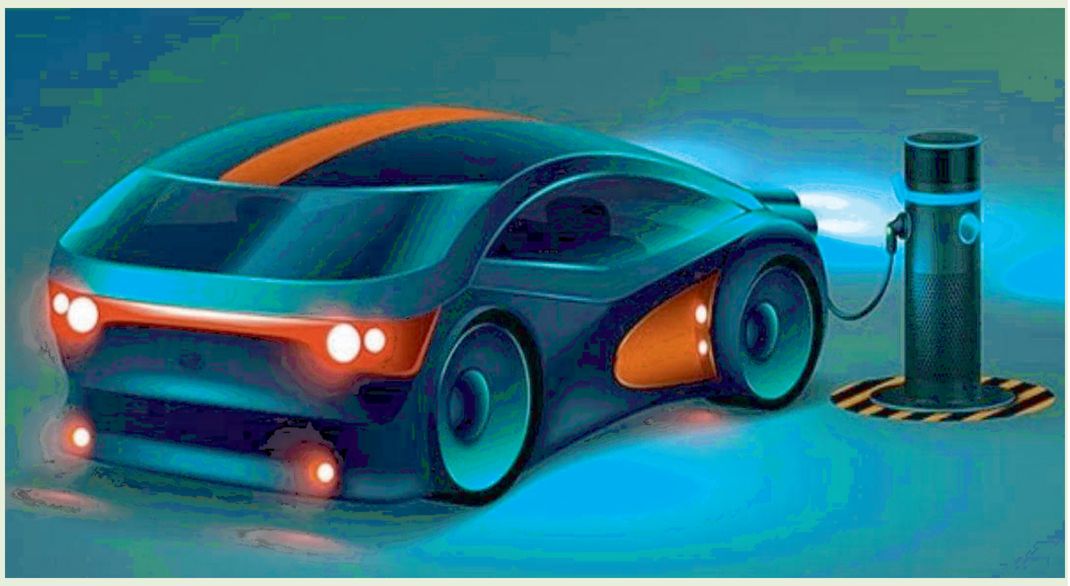

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में दिन पर दिन पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत ने लोगों की कमर तोड़ दी है। जिसके कारण इलेक्ट्रिक कारों की डिमांड तेजी से बढ़ते जा रही है। इसके लिए सरकार भी अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर रही है ताकि अधिक से अधिक लोग ईवी को लेकर जागरूक हो सके। लेकिन आज भी ईवी से जुड़ी कई बड़ी समस्याएं है जिसमें से एक सबसे बड़ी समस्या चार्जिंग स्टेशन।

जिस तरह से हर जगह आपको पेट्रोल पंप मिलेंगे उसी तरीके से ईवी चार्जिंग स्टेशनों की कमी है। जिस पर कई बड़े वाहन निर्माता कंपनियां काम कर रही है। अगर आपके पास इलेक्ट्रिक कार हैं तो आपको इन बातों का जानना काफी जरूरी है। कार की बैटरी कब खराब होगी या फिर खराब होने से पहले कैसे संकेत देती है।

कार की बैटरी कितने साल चलेगी

आपको बता दे लगभग सभी वाहन निर्माता कंपनियां अपनी कार की बैटरी पैक पर लगभग 8 साल तक की वारंटी देती है। वहीं, अगर आप इसे बेहतर तरीके से इस्तेमाल करेंगे तो इसे 10 साल तक भी चला सकते हैं। दो पहिया वाहन की बैटरी पैक लगभग 3 से 5 साल तक की होती है।

बैटरी खराब तो नहीं हो रही है

अगर आपको ये पता लगाना है कि कार या स्कूटर की बैटरी खराब तो नहीं हो रही है तो इसका पता लगाना काफी आसान है। ये अचानक से खराब नहीं होती है। खराब होने से पहले ये कई संकेत देती है। जिसके बाद बैटरी धीरे- धीरे खराब होती है। तब आपके वाहन की रेंज कम होने लगेगी और आपको अपने वाहन को बार -बार चार्ज करना होगा। रेंज के कारण आप आराम से पता लगा सकते हैं कि बैटरी खराब है या नहीं।

कितनी होती है इसकी लागत

ईवी की बैटरी पैक काफी अधिक महंगी होती है। अगर वो वारंटी के अंदर नहीं है और डैमेज है, आपको इसपर कई हजारों का खर्च करना पड़ सकता है। कार के बैटरी पैक की बात करें तो इसकी कीमत लाखों तक की होती है, वहीं स्कूटर दो पहिया वाहन में इसकी कीमत हजारों तक की होती है।

क्या होता है खराब होने का कारण

बैटरी का समय से पहले खराब होने के पीछे का कारण ये है कि आप कैसे अपने वाहन को चार्ज कर रहे हैं। फास्ट चार्जर के अधिक इस्तेमाल से बैटरी की लाइफ खराब हो जाती हो। वहीं बैटरी को पूरी तरह से डिस्चार्ज करने या फिर हर बार 100 फीसदी चार्ज करने से भी बैटरी की लाइफ कम हो जाती है। ईवी बैटरी को 15 परसेंट तक पहुंचने पर चार्ज किया जाना चाहिए। जब कि इसे 80 से 85 प्रतिशत तक चार्ज करना चहिए। बैटरी पर मौसम का भी काफी प्रभाव पड़ता है। इसके कारण भी बैटरी समय से पहले खराब हो सकती है।

तिरछी क्यों डिजाइन की जाती है कार की विंडस्क्रीन, जानिए क्या है इसकी अहमियत

नई दिल्ली। अगर आप कार और बस दोनों से ट्रैवल करते हैं तो आपने इसे जरुर गौर किया होगा कि कारो की विंडस्क्रीन तिरछी होती है और बसों की नहीं। क्या आप जानते हैं इसके पीछे का कारण । अगर आप सोच रहे होंगे कि कार ही नहीं बस की भी तो स्पीड अधिक होती है। इसके बावजूद भी बस की विंडशील्ड तिरछी क्यों नहीं होती है, चलिए आपको इसके पीछे के कारण से रूबरू कराते हैं।

दरअसल बस के मुकाबले कारों की aerodynamic काफी अधिक होती है। आपको आसान शब्दों में बताएं तो तिरछी विंडशील्ड होने की वजह से यह हवा को बहुत ही आसानी से पास करने में अधिक सक्षम होती है। इसके कारण कार की स्पीड में कोई परेशानी नहीं आती है। इसको इसलिए बनाया जाता है ताकि इस पर कम दबाव हो और यह सुचारू रूप से चलने के बाद ये अधिक माइलेज दे सके। हालांकि बस को बनाते समय एयरोडायनेमिक्स के ऊपर अधिक ध्यान नहीं रखा जाता है।

आपको बता दे आमतौर पर गाड़ियों में दो तरह के विंडशील्ड का इस्तेमाल किया जाता है। बस और कार के आगे लगे शीशे तिरछे और फ्लैट हो सकते हैं। लेकिन उनकी क्वालिटी में कमी आने पर कई बार ड्राइवर को गाड़ी चलाने में परेशानी हो सकती है। ये धूल वगैरा को रोकने में काम आता है। इसको साफ रखना काफी जरुरी होता है। खासकर सर्दी के समय में इसे वाइपर से साफ करें। आमतौर पर विंडशील्ड लैमिनेटेड और टेम्पर्ड दो तरह के होते हैं।

दोनों विंडशील्ड में क्या अंतर होता है टेम्पर्ड के मुकाबले लैमिनेटेड विंडशील्ड को अधिक बेहतर माना जाता है। इसे बनाने के लिए दो शीशे का इस्तेमाल किया जाता है। बीच में प्लास्टिक होने के कारण दुर्घटना होने पर यह टूट कर बिखरते नहीं हैं। वहीं जो साधारण शीशे होते हैं वो टूट कर बिखर जाते हैं। दूसरी तरफ लैमिनेटेड को टूटने पर आप रिपेयरिंग भी करवा सकते हैं।

संपादक की कलम से

बेटी बचाओ, कुश्ती बचाओ

विनेश फोगाट अपने भार-वर्ग में विश्व चैम्पियन पहलवान हैं। उन्होंने एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल मुकाबलों में भी स्वर्ण पदक जीते हैं। साक्षी मलिक रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कुश्तीबाज हैं। बजरंग पूनिया विश्व के सर्वश्रेष्ठ पहलवान रहे हैं और टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदकवीर हैं। विश्व चैम्पियनशिप में कई पदक जीत चुके हैं। रवि दहिया भी टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता पहलवान हैं। दीपक पूनिया और अंशु मलिक सरीखे युवा भी पदकवीर हैं। यह सूची और भी लंबी हो सकती है। इन खिलाडियों ने वैश्विक खेल मंचों पर भारत का 'तिरंगा' लहराया है और राष्ट्रगान 'जन, गण, मन' की गूंज पर देश को गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इन पदकवीर पहलवानों को देश की आन, बान, शान माना और उनका अभिनंदन भी किया। एक मुलाकात के दौरान विनेश फोगाट ने प्रधानमंत्री को कुछ 'ब्रीफ' किया था। शायद उन्हें याद होगा! ये खिलाड़ी खेल रत्न, अर्जुन अवार्ड और अन्य सम्मानों से अलंकृत किए गए हैं। वे देश के आम आदमी नहीं हैं। ऐसे कई पहलवानों को राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना देना पड़ा, तो यह शर्मनाक कलंक की बात है। कुछ बेटी पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं छह बार के निर्वाचित भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह समेत कोच, स्टाफ पर यौन शोषण के संगीन, गंभीर आरोप लगाए हैं। ऐसे आरोप सिर्फ बेटी पहलवानों ने ही नहीं, बल्कि नाविक, हैंडबॉल, साइकिल और अन्य खेलों के खिलाडियों ने भी लगाए थे। उनमें से कुछ ने आत्महत्या तक कर ली। ज्यादातर ने खेल ही छोड़ दिया। ये सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे, जिन्हें 'यौन समझौतों' के लिए विवश किया जाता रहा। भारत कोई खेल-सम्पन्न देश नहीं है। ओलंपिक में लंबे समय तक हम खाली हाथ ही लौटते रहे। अब बैडमिंटन, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी और कुश्ती में कुछ होनहार बेटियों ने देश के लिए पदक और सम्मान अर्जित किए हैं, तो बंद कमरों के यौन उत्पीडन सार्वजनिक हो रहे हैं। ऐसे आरोप हवा-हवाई नहीं होते। यदि पदकवीर पहलवान आज सडक़ पर धरना-प्रदर्शन को विवश हुए हैं, तो कमोबेश सरकार के स्तर पर तुरंत हस्तक्षेप किया जाना चाहिए था। महज आश्वासन देने के ये राजनेता आदी रहे हैं, लेकिन सरेआम एक खेल और पदकवीर खिलाडियों को बर्बाद होते नहीं देखा जा सकता। प्रधानमंत्री इन खिलाडियों की एक-एक गतिविधि, जीत-हार, उपलब्धि पर फोन करके उनकी पीठ थपथपाते रहे हैं। अपने आवास पर आमंत्रित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करते रहे हैं। आज जब हम यह आलेख लिख रहे हैं, तो धरने का तीसरा दिन है, लेकिन प्रधानमंत्री ने एक फोन करके खिलाडियों की पीड़ा और उनके दर्द को समझने की कोशिश नहीं की है। लगातार खामोश रहे हैं, क्योंकि कीचड़ भाजपा सांसद पर गिरा है। अलबत्ता खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से संवाद होता रहा है, लेकिन निष्कर्ष कितनी दूर है? बहरहाल यदि पहलवान एक दिन भी अभ्यास, प्रशिक्षण आदि को छोड़ दे, तो वह औसतन 9 दिन पिछड़ जाता है। जाहिर है कि इतने में ही पदक के फिसलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। धरने पर बैठे कुश्तीबाजों ने तब तक नहीं खेलने की चुनौती दी है, जब तक 'यौन अपराध' के आरोपित अध्यक्ष को बर्खास्त नहीं किया जाता और कुश्ती महासंघ को भंग नहीं किया जाता। इसमें तुरंत फैसला करने में दिक्कत क्या है? जांच हो जाने दो, नेताजी फिर कुर्सी पर विराजमान हो सकते हैं। भारतीय घटनाक्रम पर वैश्विक कुश्ती महासंघ की भी निगाहें टिकी हैं। महान धाविका पीटी उषा की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय ओलंपिक संघ को भी तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। ध्यान यह भी रखना चाहिए कि भारत ने अभी तक ओलंपिक में कुल 35 पदक जीते हैं, जिनमें से 7 पदक पहलवानों के हुनर ने हासिल किए हैं।

आबादी के खतरों को अनदेखा कर रहे दल

योगेंद्र योगी

देश के राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के नुकसान-फायदे के लिए आबादी की सुनामी के खतरों को अनदेखा कर रहे हैं। विश्व में अभी तक चीन जनसंख्या वृद्धि के मामले में सर्वोपरि था। चीन ने कठोर नीति से जनसंख्या को नियंत्रित करते हुए वृद्धि दर में लगाम लगा दी।

यूएन की एक तंज़ीम वल्ड फूड प्रोग्राम के मुताबिक एक तरफ जहां दुनिया की आबादी 8 अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है, तो वहीं दूसरी तरफ रोजाना करीब 83 करोड़ लोग खाली पेट सोने को मजबूर हैं। यही नहीं, साल 2019 में जहां करीब 13.5 करोड़ लोग गंभीर अनाज संकट का सामना कर रहे थे, अर्थात भुखमरी जैसे हालात का सामना कर रहे थे। तीन साल के अंदर यह आंकड़ा बढ़ कर करीब साढ़े 34 करोड़ तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में जितने लोग इसका सामना कर रहे हैं, उसमें करीब दो-तिहाई यानी 66 फीसदी लोग अफ्रीका से हैं, और कोरोना के बाद इसमें और इजाफा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के 2019 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार इस समय पूरी दुनिया में कुल 1.3 अरब गरीब हैं जिनमें से भारत में 64 करोड़ से घटकर 37 करोड़ रह गए हैं' देश के राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के नुकसान-फायदे के लिए आबादी की सुनामी के खतरों को अनदेखा कर रहे हैं। विश्व में अभी तक चीन जनसंख्या वृद्धि के मामले में सर्वोपरि था। चीन ने कठोर नीति से जनसंख्या को नियंत्रित करते हुए वृद्धि दर में लगाम लगा दी। चीन ने 1980 में वन चाइल्ड पॉलिसी को लॉन्च किया था। चीन में पिछले साल 2022 के अंत में 1.41 अरब लोग थे जो 2021 के अंत की तुलना में 850000 कम थे। इसके विपरीत भारत में जनसंख्या वृद्धि बेलगाम है। भारत इस साल चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। चीन की 1.426 अरब की तुलना में भारत की जनसंख्या 2022 में 1.412 अरब है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2050 में भारत की जनसंख्या 1.668 अरब हो जाएगी जो चीन की उस समय की वर्तमान जनसंख्या से 1.317 अरब ज्यादा होगा। आबादी बढने की देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही जनसंख्या के कारण देश गंभीर रूप से बेकारी और गरीबी जैसी समस्याओं से लंबे अर्से से त्रस्त है। देश के प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी का जबरदस्त दबाव पड़ रहा है।

130 करोड़ की आबादी के लिए गुणवत्ता युक्त सुविधाएं तो दूर बुनियादी सुविधाएं जुटाने के लिए ही सरकारों के पसीने छूट रहे हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों से केंद्र और राज्य सरकारें जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट में इंतजाम करने के लिए हर बार जूझती हैं। विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है, किन्तु भारत के पास पृथ्वी के धरातल का मात्र 2.4 प्रतिशत भू भाग ही है। जनसंख्या वृद्धि की वज़ह से गरीबी, भूख और कुपोषण की समस्या को प्रभावी ढंग से दूर करने और बेहतर स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में बाधा आ रही है। स्थिर जनसंख्या वृद्धि के लक्ष्य के मामले में बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य पिछड़े हुए हैं। देश में लैंगिक अनुपात में गिरावट और लड़कियों के प्रति भेदभाव काफी अधिक है। देश में करोड़ों लोगों के पास आज भी रहने का स्थायी ठिकाना नहीं है। दुनिया की सबसे अधिक मलिन बस्तियां भारत में ही हैं। दिन प्रतिदिन पैट्रोलियम पदार्थों, रसोई गैस, भोजन सामग्री या अन्य वस्तुओं के मूल्य बढ़ते जा रहे हैं। सभी का मूल कारण जनसंख्या का दबाव है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन योजना कारगर साबित नहीं हो सकी। विगत दिनों जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रभावी कानून लाए जाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दी कि यह कोर्ट का काम नहीं है। ये नीतिगत मसला है। अगर सरकार को जरूरत लगेगी तो सरकार फैसला करेगी।

केंद्र में रही सरकारों ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए सिर्फ चिंता करने के अलावा कभी गंभीर प्रयास नहीं किए। वोट बैंक की राजनीति इस मुद्दे पर भी हावी रही है। यही वजह है कि राजनीतिक दल इस मुद्दे पर कठोर उपाय करने से बचते रहे हैं। जनसंख्या के बढने से जैविक ईंधनों की खपत बढ़ गई है।

अब स्थिति यहां तक आ गई है कि न तो प्राकृतिक रूप से शुद्ध वायु उपलब्ध है और न ही जल और भोजन इत्यादि। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए भूमि पर कम से कम 33 प्रतिशत भूभाग पर वनों का विस्तार होना अति आवश्यक है। भारत में 15वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार कुल वनावरण एवं वृक्षावरण 802088 वर्ग किलोमीटर है। देश में कुल वनावरण 708273 वर्ग किलोमीटर है जो कि कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 21.54 प्रतिशत है। इसी तरह से जल संसाधन (धरातलीय, भूमिगत), वायु संसाधन, मृदा संसाधन, खनिज संसाधन इत्यादि का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। धरातल के अंदर दबे खनिज पदार्थों का दोहन करके पृथ्वी को खोखला करने, प्राकृतिक नदियों पर विनाशकारी बांध का निर्माण करने, पर्वतों की चट्टानों को तोड़-तोड़ कर गगनचुम्बी इमारतों, उद्योगों, संचार के साधनों का निर्माण करने, वनों का विनाश करके मानव बस्तियां बसाई गयी हैं। कृषि योग्य भूमि का विकास किया गया है जिससे धरातल पर असंतुलन उत्पन्न हो गया है। इन सभी कारणों से प्राकृतिक आपदाएं (भूकंप, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, चक्रवात, वैश्विक तापन, सुनामी, ज्वालामुखी इत्यादि) की बारम्बारता का प्रतिशत बढ़ गया है। उत्तराखंड के जोशीमठ में आई प्राकृतिक आपदा के पीछे भी ऐसे ही मानव जनित कारण रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की द वल्ड पॉपुलेशन प्रोस्पेक्ट्स 2019 की रिपोर्ट के एक अनुमान के अनुसार भारत में युवाओं की बड़ी संख्या मौजूद होगी, लेकिन आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों के अभाव में इतनी बड़ी आबादी की आधारभूत आवश्यकताओं जैसे भोजन, आश्रय, चिकित्सा और शिक्षा को पूरा करना भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

उच्च प्रजनन दर, बुजुर्गों की बढ़ती संख्या और बढ़ते प्रवासन को जनसंख्या वृद्धि के कुछ प्रमुख कारणों के रूप में बताया गया है। यूएन की एक तंज़ीम वल्ड फूड प्रोग्राम के मुताबिक एक तरफ जहां दुनिया की आबादी 8 अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है, तो वहीं दूसरी तरफ रोजाना करीब 83 करोड़ लोग खाली पेट सोने को मजबूर हैं। यही नहीं, साल 2019 में जहां करीब 13.5 करोड़ लोग गंभीर अनाज संकट का सामना कर रहे थे, अर्थात भुखमरी जैसे हालात का सामना कर रहे थे। तीन साल के अंदर यह आंकड़ा बढ़ कर करीब साढ़े 34 करोड़ तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में जितने लोग इसका सामना कर रहे हैं, उसमें करीब दो तिहाई यानी 66 फीसदी लोग अफ्रीका से हैं, और कोरोना के बाद इसमें और इजाफा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के 2019 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार इस समय पूरी दुनिया में कुल 1.3 अरब गरीब हैं जिसमें से भारत में 64 करोड़ से घटकर 37 करोड़ रह गए हैं। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस की रिपोर्ट में यह कहा गया है कि भारत में बेरोजगारी दर 2017-18 में 45 साल के उच्च स्तर यानी 6.1 पर पहुंच गई है। मतलब रोजगार के लिए तैयार हरेक 100 व्यक्ति में से 6.1 व्यक्ति बेरोजगार हैं। देश में जनसंख्या वृद्धि विस्फोटक स्थिति में पहुंच चुकी है। सवाल यही है कि आखिर सरकारों की तंद्रा भंग कब होगी। बेहतर होगा कि राजनीतिक दल इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय आपसी समन्वय से ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाएं जिससे आबादी के बढ़ते संकट को रोका जा सके।

22 जनवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

यूं तो हर तारीख का कोई न कोई इतिहास होता है, लेकिन 22 जनवरी का इतिहास कई मायने में, विशेषतौर पर हिन्दी प्रेमी लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन विश्व हिन्दी दिवस होता है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए 2006 में प्रति वर्ष 10 जनवरी को हिन्दी दिवस मनाने की घोषणा की थी। विश्व में हिन्दी का विकास करने और एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के तौर पर इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई और प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित हुआ था। इसीलिए इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। देश दुनिया के इतिहास में 22 जनवरी की तारीख में दर्ज कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा इस प्रकार है:-

1616: ब्रिटिश राजदूत सर थॉमस रो ने अजमेर में मुगल बादशाह जहांगीर से मुलाकात की।

1692: कलकत्ता के संस्थापक जॉब चारनॉक का कलकत्ता में निधन।

1818: मराठा सेना और ब्रिटिश सेना के बीच रामपुरा में तीसरी और अंतिम लड़ाई हुई, जिसके बाद मराठा नेता भंग हो गई।

1836: प्रोफेसर मधुसूदन गुप्ता ने पहली बार मानव शरीर की आंतरिक संरचना का अध्ययन किया।

1886: भारत के शिक्षाविद, अर्थशास्त्री एवं न्यायविद् जॉन मथाई का जन्म।

1908: हिन्दी के निबन्धकार और साहित्यकार पद्मनारायण राय का जन्म।

1912: सम्राट जार्ज पंचम और रानी मेरी भारत से रवाना हो गए।

1940: भारतीय पार्श्व गायक और शास्त्रीय संगीतकार के. जे. येसुदास का जन्म।

1946: लंदन में संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली बैठक में 51 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

1969: प्रसिद्ध राजनेता एवं लेखक सम्पूर्णानंद का निधन।

1972: पाकिस्तान की जेल में नौ महीने से अधिक समय तक कैद रहने के बाद शेख मुजीब-उर-रहमान स्वतंत्र राष्ट्र बने बंगलादेश पहुंचे।

जब इतवार को त्योहार हो

सरकारी नौकरी सबकी पसंद है। हो क्यों न, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक या आर्थिक उथल पुथल के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के जीवन में सुविधाओं और छुट्टियों के गन्नों का मीठा स्वादिष्ट रस निरंतर बहता रहता है। कई बार तो हमारे प्रिय त्योहार या उत्सव, उचित भाग्यवर्धक नक्षत्रों में आने के प्रशंसनीय संयोग से, सरकारी दफ्तर, एक सप्ताह के लिए भी अचेत हो जाया करते हैं। इस साल गणना हो चुकी है कि फलां सप्ताह एक छुट्टी लेकर चार होने वाली हैं। अमुक महीने में दो अवकाश लेकर, पूरा हफ्ता घूमने विदेश भी जा सकते हैं। गणतन्त्र दिवस व स्वतन्त्रता दिवस तो कितने दशकों से हमारी प्रिय, राष्ट्रीय छुट्टियां हैं ही। छुट्टियों के खलिहान में होने वाले अप्रत्याशित नुकसान का अंदाज़ा लगाया जा चुका है। जगजाहिर है कि जिस त्यौहार की छुट्टी दूसरे शनिवार, रविवार या अन्य राजपत्रित छुट्टी के दिन आ जाए, उसे मनाने में उतना आनंद नहीं आता जितना तब आ सकता है यदि वह त्योहार सप्ताह के किसी अन्य दिवस पधारें।

दुनिया भर में मनाया जाने वाला दीपावली जैसा पावन त्योहार इस बरस रविवार को आ रहा है। रविवार की पारम्परिक व्यस्तताओं के दिन इतना बड़ा त्योहार मनाना हो तो रविवार के अवकाश की भी छुट्टी हो जाने का दुःख कुछ ज्यादा ही होता है। रविवार को ही पोंगल, ईस्टर, विनायक चतुर्दशी का त्योहारी अवकाश है। यह सब त्योहार सोमवार को रहते तो कितना सुखमय होता। कुल मिलाकर जितने सार्वजनिक अवकाश होते हैं, निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत तो उससे कम ही होते हैं। कितनी विकसित समानता है कि आज़ादी मिलने के इतने दशक बाद भी हम छुट्टियों के मामले में एक नजऱ से नहीं देखे जाते। वास्तव में देखा जाए तो सभी विभाग या इंसान एक जैसे महत्वपूर्ण कैसे माने जा सकते हैं।

जब वक्त सबके साथ एक जैसा सलूक नहीं करता तो बेचारा आदमी एक-दूसरे के साथ बराबरी का व्यवहार कैसे कर सकता है। इस संबंध में महिला कर्मचारी भाग्यशाली साबित होती हैं। कई राज्यों में उनको मिलने वाली तीन छुट्टियां रक्षा बंधन, करवाचौथ व भाई दूज वर्किंग डे पर ही आ रही है जिसके लिए उन्हें सवैतनिक अवकाश मिलेगा। समझदार प्राइवेट स्कूल प्रबंधकों ने होली, दिवाली, क्रिसमस व नया साल व्यवस्थाजी की सहूलियत के आधार पर असली त्योहार दिवसों से पहले ही मना लेने की सांस्कृतिक परम्परा विकसित कर ली है। प्रेरणा अनेक बार सकारात्मक बदलावों को जन्म देती है। संजीदगी से त्योहार मनाने वाले उत्सव प्रेमियों के अनुरोध के अनुसार जो त्योहार रविवार को पड़ते हैं उन्हें बदलकर किसी भी अन्य दिवस को रखा जाए ताकि रविवार की छुट्टियों का आनंद बरकरार रहे। घोषित उत्सव किसी अन्य वार को दिल से मनाने का उत्साह और बढ़ जाएगा। बदलते ज़माने के साथ घोषित तिथि से पहले या बाद में उत्सव या छुट्टी मनाने से अवसर की पवित्रता कम तो नहीं होगी। ऐसा करने से कार्यदक्षता काफी बढ़ सकती है। रविवार के दिन त्योहार की छुट्टी भी होने का रंज नहीं रहेगा और रविवार को रविवार की तरह ही हज़म किया जा सकेगा।

प्रभात कुमार

नई सरकार से बेरोजगारों को उम्मीदें

सभी बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती है, लेकिन जितनी सरकारी नौकरी सृजित की जा सकती है, उतनी तो पारदर्शिता तथा समयबद्धता के साथ प्रदेश के युवाओं को मिलनी चाहिए'

वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में भारत के सबसे प्राचीनतम दल कांग्रेस पार्टी को सत्ता प्राप्त हुई। प्रदेश में 14वीं विधानसभा का गठन कांग्रेस पार्टी को 68 सीटों में से 40 सीटों पर विजय प्राप्त करके अस्तित्व में आया। 8 दिसंबर 2022 को विधानसभा के चुनाव परिणामों ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के मिशन रिपीट को धराशायी कर दिया। हालांकि भारतीय जनता पार्टी ने सैकड़ों नवीनतम योजनाओं को आम जनमानस के लिए समर्पित किया था। प्रदेश में बीजेपी के इस कार्यकाल में कोरोना महामारी, पेपर लीक मामला, सरकारी नौकरी में केसबाजी, पुरानी पेंशन बहाली जैसे बहुचर्चित मुद्दे इतने प्रभावित हुए कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस पार्टी को एक नई उम्मीद, सुशासन व नवीन पारदर्शी व्यवस्था की स्थापना हेतु सत्ता की चाबी सौंपी। वर्ष 2017 के चुनावों में मंडी जिला के सिराज विधानसभा क्षेत्र से संबंध रखने वाले श्री जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री पद मिला था। उनकी पृष्ठभूमि भी गरीब, संघर्षमय व ईमानदार छवि की थी जिस कारण उन्हें प्रदेश के जनमानस ने बड़ा आदर-सम्मान दिया था। कुछ ऐसा ही परिदृश्य वर्तमान नवगठित कांग्रेस की सरकार में हमीरपुर जिला से संबंध रखने वाले श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के मुख्यमंत्री पद को ग्रहण करते समय भी देखने को मिला। वर्तमान मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हिमाचल के सबसे छोटे जिला हमीरपुर के नादौन विधानसभा क्षेत्र से जीतकर प्रदेश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन हुए हैं। इससे पहले प्रो. प्रेम कुमार धूमल भी इसी जिला से उभरकर दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने में सफल हुए थे। श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू लंबे समय से संघर्ष में रास्ते से अनेकों उतार-चढ़ाव को पार करके प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं। इनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि भी निर्धन, मध्यमवर्गीय, ईमानदार व कड़ी मेहनत करने वाले व्यक्ति की रही है। प्रदेश के लाखों लोग इसी पृष्ठभूमि से आते हैं। जब कोई साधारण व संघर्षमय व्यक्तित्व का धनी व्यक्ति किसी सर्वोच्च पद पर आसीन होता है तो प्रदेश की जनता से उन्हें अपार स्नेह, प्रेम, दुआएं व शुभकामनाएं भी दिल से मिलती हैं। आजकल प्रदेश की राजनीति में भी इसी तरह का माहौल सुर्खियों में है। श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 11 दिसंबर 2022 को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेताओं व हजारों की संख्या में उमड़े जनमानस की उपस्थिति में शपथ ग्रहण की थी। प्रदेश के इतिहास में पहली बार श्री मुकेश अग्निहोत्री भी इसी दिन उप-मुख्यमंत्री बने थे। 4 जनवरी 2023 को प्रदेश की दूसरी राजधानी धर्मशाला के तपोवन विधानसभा परिसर में 14वीं विधानसभा के 68 विधायकों ने शपथ लेकर नई विधानसभा के गठन को पूरा किया। इस विधानसभा के गठन में 40 विधायक कांग्रेस पार्टी, 25 विधायक भारतीय जनता पार्टी तथा 3 विधायक निर्दलीय चुने गए हैं। प्रदेश की जनता को इन विधायकों से अनेकों उम्मीदें हैं।

चुनावों के समय जो सम्मान, तवज्जो, वायदावादी व सुखद भविष्य के वचन प्रदेश की जनता को दिए गए हैं, उनको पूरा करने के लिए इन विधायकों की कड़ी मेहनत एक सुनियोजित रूपरेखा के साथ करनी होगी। इसमें प्रदेश का बेरोजगार युवा पेपर लीक के मामलों से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है। वहीं प्रदेश का सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली व अन्य वित्तीय मामलों के समाधान का मार्ग देख रहा है। प्रदेश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही महिला शक्ति सामाजिक समानता, समृद्धता, सुरक्षा व वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के सुखद भविष्य के उजालों के इंतजार में हैं। ऐसे में सत्ता पक्ष तथा विपक्ष दोनों की जिम्मेदारियां व उनका निर्वहन प्रदेश की जनता के भविष्य की गाथा को लिखेगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जिस पृष्ठभूमि से आते हैं, उस पृष्ठभूमि के एक बड़े समुदाय के लिए प्रमुखता के कार्य करने के लिए भी तत्पर दिख रहे हैं। 2 जनवरी 2023 को मुख्यमंत्री सुखाश्रय कोष के गठन के साथ प्रदेश के अनाथ, जरूरतमंद, बेसहारा व बेदखल जनमानस के लिए 101 करोड़ रुपए के कोष की घोषणा करना तथा अपना वेतन इस पुण्य कार्य में देना तथा कांग्रेस पार्टी के सभी विधायकों से एक-एक लाख रुपए इस कोष में देने का आग्रह करना, इस जरूरतमंद समुदाय के बेहतर भविष्य व कल्याण के लिए सोचना सराहनीय व भविष्योन्मुखी कार्य है।

ओपीएस बहाली से वित्तीय प्रबंधन की चुनौती

प्रदेश में निवेश वृद्धि भी आय, रोज़गार के साथ राजस्व बढ़ोतरी में मददगार साबित होगी। इसलिए प्रयत्न दिखावटी प्रचार एवं खर्चीले जलसों से आगे धरातल पर उतारने होंगे। सभी विभागों, कार्यालयों, योजनाओं के खर्चों का ईमानदार आकलन हो'

प्रदेश में बनी नई सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र के अनुरूप ओपीएस फिर से शुरू करने के बारे नीतिगत निर्णय ले लिया है। यह एक ओर समाज में बड़े दबाव समूह को खुश कर गया है, वहीं दूसरी ओर सबको इस चिंता में भी डाल रहा है कि पेंशनों से बढ़ती देनदारियों को प्रदेश का सीमित राजस्व कैसे संभाले। ओपीएस को फिर से लागू करने वाले राज्यों की भांति बड़ा सवाल है कि पूर्व में जमा हुई योगदान अंश राशि को वापस करने बारे कुछ हल निकलेगा कि नहीं। हालांकि इस संदर्भ में वित्त राज्य मंत्री द्वारा लोकसभा में दिए उत्तर से फिलहाल कोई प्रगति नहीं दिखती क्योंकि पीएफआरडीए ने अंशदान के रूप में जमा राशि को लौटाने के किसी भी प्रावधान से इंकार किया है। जब तक यह विषय सुलझता नहीं, तब तक राज्यों को अपने राजस्व/ऋण पर ही निर्भर रहना होगा। फिलहाल लाभान्वित पेंशनरों और आम जनता को सरकार के इस बड़े दायित्व के प्रति संवेदनशील रहना होगा। अगर कुछ प्रयास राजस्व बढ़ाने की दिशा में हों या फिर कुछ मदों में खर्चों की कटौती के संदर्भ में।

राज्य/देश की शासन/प्रशासन/सार्वजनिक व्यवस्था के अति महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्यकलापों को ईमानदारी से आजीवन करने और वो भी बिना किसी अन्य व्यावसायिक गतिविधि में शामिल हो, पेंशन की सुनिश्चितता को आवश्यक बनाती रही हैं। बाज़ार की अनिश्चितता के हवाले लोकतंत्र की समूची कार्यपालिका की मशीनरी को नहीं किया जा सकता और यह तर्क कार्यकुशलता एवं भ्रष्टाचार के सन्दर्भ में और भी महत्वपूर्ण है। इस सदी के प्रारम्भ में जब देश में सरकारी क्षेत्र के बढ़ते बजट घाटे के बारे चिंता हुई तो वेतन, पेंशन और ऋण की देनदारियों को कम करने हेतु कठोर उपाय करने को सुझाया गया ताकि वित्तीय संकट से दूर रहा जाए। अनेक राज्यों की वित्तीय स्थिति काफी बिगड़ चुकी थी जहां हर बजट का बढ़ता राजकोषीय घाटा, राज्यों के कुल ऋणों को राज्य की आय (सकल राज्य घरेलु उत्पाद) के अनुपात में चिंताजनक स्तर तक ले जा रहा था। इसी कारण वर्ष 2000 में अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार देश में वित्तीय अनुशासन बनाने हेतु एक एक्ट लाई जो एफआरबीएम एक्ट 2003 के रूप में पारित हुआ। इस एक्ट के प्रभाव में ही कॉन्ट्रैक्ट भर्तियां और अंशदान आधारित राष्ट्रीय पेंशन योजना आरम्भ हुई। क्योंकि पहले की नियुक्तियां पुराने भर्ती एवं सेवा नियमों के तहत हुई थीं और उनकी पेंशन को निरस्त करना गैर कानूनी था, इसलिए वर्ष 1 जनवरी 2004 के बाद केंद्र ने और राज्य सरकारों ने भर्ती एवं पदोन्नति सेवा शर्तों को बदल सेना को छोड़ बाकी सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अधीन लाया। पश्चिम बंगाल को छोड़ सभी राज्यों ने इसे लागू कर लिया था।

बाजार की अनिश्चितता के कारण और फंड के अकुशल प्रबंधन के कारण जब एक बहुत कम मात्रा के रूप में पेंशन मिलने लगी तो देश भर में एनपीएस के खिलाफ आवाज़ उठने लगी जिसे हिमाचल से पहले झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान और पंजाब में चुनाव दौरान महसूस किया और वहां इसके खात्मे और पुरानी पेंशन बहाली के वायदे ने सत्ता का रास्ता आसान किया। एफआरबीएम एक्ट 2003 अडॉप्ट करने में हिमाचल प्रदेश शुरुआती राज्यों में रहा जिसने एचपी एफआरबीएम एक्ट 2005 के रूप में पारित किया। इस एक्ट के अंतर्गत वित्तीय अनुशासन की ख़ातिर राज्यों को अपने बजट के राजकोषीय घाटे (ऋण) को राज्य के सकल घरेलु उत्पाद (राज्य की आय) के 3 फीसदी हिस्से तक ही सीमित रखने का लक्ष्य है। इसी तरह राजस्व घाटे तो शून्य तक ले जाने का लक्ष्य है। एफआरबीएम समीक्षा समिति की सिफारिश के मुताबिक राज्यों को अपने कुल ऋण राज्य के सकल घरेलु उत्पाद के 20 फीसदी स्तर के अंदर ही रखने चाहिए, अगर ऋण के चक्रव्यूह से बचना है तो। इसी संदर्भ में कैग और आरबीआई भी बार-बार आगाह करता आया है। इसी कड़ी में बढ़ती देनदारियों को ऋण लेने की वार्षिक सीमा भी एक बड़ी बाधा है। कुछ राज्यों द्वारा ओपीएस बहाली के बाद केंद्र भी आने वाले समय में अपने अधीन कर्मियों के बारे कुछ ऐसा ही करे, इसके भी कयास लगाए जा रहे हैं, परंतु राज्यों को अपनी देनदारियां स्वयं ही संभालनी होंगी जिसके लिए टैक्स फ्री बजट से आगे बढने के लिए जनता को अब तैयार रहना होगा। पीएफआरडीए में जमा अंशदान को अपने ज़िम्मे करके तथा राज्यों को उनका हिस्सा वापिस लौटाने बारे बड़ा नीतिगत फैसला केंद्र ही करने में सामर्थ्य रखता है, परंतु इसके विशाल राष्ट्रव्यापी प्रभाव एवं वित्तीय अनुशासन के सुधारों का परित्याग एक बड़ी बाधा है। इसलिए फिलहाल राजस्व बढ़ाने के लिए अपने दायरे के अंदर की फीस एवं टैक्स रेट को कुछ हद तक बढ़ाया जा सकता है, परंतु इससे पड़ोसी राज्यों द्वारा वाणिज्य आकर्षित करने और निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के ऊपर अनावश्यक बोझ के संदर्भ में देखना भी आवश्यक होगा।

प्रदेश के अंदर रिटेल चेन को विकसित करना होगा ताकि राजस्व का एक बड़ा हिस्सा अन्य राज्यों के जीएसटी को बढ़ाने के बजाय राज्य के राजस्व को बढ़ा पाए। इस सन्दर्भ में लोगों को अनेक स्तरों पर जागरूक एवं प्रेरित भी करना होगा। प्रदेश में निवेश वृद्धि भी आय, रोजग़ार के साथ राजस्व बढ़ोतरी में मददगार साबित होगी। इसलिए प्रयत्न दिखावटी प्रचार एवं खर्चीले जलसों से आगे धरातल पर उतारने होंगे। सभी विभागों, कार्यालयों, योजनाओं के खर्चों का ईमानदार आकलन हो ताकि अनावश्यक को कम किया जा सके जिससे एक ओर फिजूलखर्ची पर अंकुश लगेगा और दूसरी ओर विकासात्मक एवं सामाजिक सुरक्षा के कार्य अच्छे से चल पाए। जिन कर्मियों की कुल सरकारी सेवा दस वर्ष से कम की है, उन्हें अभी भी एनपीएस पर ही निर्भर रहना होगा। समाज के अन्य तबकों के लिए भी राष्ट्रीय पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) एवं अन्य निजी पेंशन उद्यमों में सुविधा उपलब्ध है अन्यथा वे पेंशन की मांग अपने नियोक्ता से कर सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

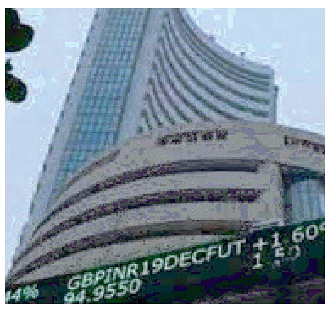

अमेरिका से एक संकेत और निवेशकों ने कमा लिए 3 लाख करोड़, जानिए क्यों बाजार में आई जबरदस्त तेजी

भारतीय शेयर बाजार में आज जबरदस्त तेजी आई है। सेंसेक्स करीब 900 अंक चढ़ गया। वहीं, निफ्टी 18,100 के पार बंद हुआ। अमेरिका में ब्याज दर वृद्धि के मोर्चे पर नरमी के संकेत के बाद बाजार में यह तेजी दर्ज हुई है। अधिकतर सेक्टोरियल सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए।

नई दिल्ली : शेयर बाजार में निवेशकों ने खूब चांदी कूटी। भारतीय शेयर बाजार भारी बढ़त के साथ बंद हुआ है। निफ्टी 1.35 फीसदी या 241 अंक बढ़कर 18,101 पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स 1.41 फीसदी या 846 अंक चढ़कर 60,747 पर बंद हुआ। बीएसई पर करीब 1986 शेयर बढ़त के साथ, 1542 शेयर गिरावट के साथ और 155 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेक्टर्स की बात करें, तो आईटी, पावर, ऑटो, कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, मेटल और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1-2 फीसदी की बढ़त रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स करीब 1 फीसदी ऊपर रहा। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5 फीसदी की तेजी रही।

ब्याज दर के मोर्चे पर नरमी की उम्मीद

बाजार को उम्मीद है कि महंगाई नीचे आ रही है और फेड ब्याज दर (Fed Interest Rate) वृद्धि के मामले में नरम पड़ सकता है। अमेरिका के प्रमुख संकेतकों ने फेड द्वारा ब्याज दरों में इजाफे के मोर्चे पर नरमी के संकेत दिए हैं। भारतीय बाजार में आज की तेजी ब्याज दर वृद्धि की चिंताओं में कमी आने के चलते ही है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि उतार-चढ़ाव बना रहेगा। क्योंकि यह देखना बाकी है कि अर्थव्यवस्था मंदी से बच सकती है या नहीं। इस समय निवेशकों का फोकस कंपनियों के दिसंबर तिमाही के नतीजों पर भी है। सोमवार शाम आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टीसीएस (TCS) के नतीजे आने हैं।

निवेशकों ने कमाए 3 लाख करोड़

दलाल स्ट्रीट में आज की तेजी में निवेशकों ने तीन लाख करोड़ रुपये कमाए हैं। सोमवार को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल बाजार पूंजीकरण 282.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। एक्सपर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को जारी हुआ यूएस इकनॉमिक डाटा ग्लोबल मार्केट के नजरिए से महत्वपूर्ण है। सभी आंकड़े यूएस इकनॉमी में खतरे के संकेत नहीं दे रहे हैं।

इन शेयरों में रही तेजी

इससे पहले बाजार में पिछले तीन दिनों से गिरावट देखने को मिल रही थी। आज सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंडसइंड बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, विप्रो, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। आईटी कंपनियों के शेयरों में अच्छी मांग देखने को मिली। केवल तीन शेयर शेयर टाइटन, बजाज फिनसर्व और मारुति नुकसान में रहे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने शुक्रवार को 2,902.46 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

वैश्विक बाजारों का हाल

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त में रहे थे।

आईटी सेक्टर के लिए उम्मीद बंधी

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका में वेतन वृद्धि की गति धीमी पड़ने और सेवा गतिविधियों में गिरावट के साथ महंगाई के नरम होने से ऐसी संभावना जतायी जा रही है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक नीतिगत दर के मामले में अपेक्षाकृत कम आक्रामक रुख अपनाएगा।

चीन से आ रही ग्लोबल इकनॉमी के लिए राहत भरी खबर, क्या टल जाएगा मंदी का खतरा?

एनटीवी न्यूज

चीनी इकनॉमी से अच्छी खबर आ रही है। जीरो कोविड पॉलिसी हटने के बाद से चीनी इकनॉमी ग्रोथ कर रही है। चीनी इकनॉमी में यह सुधार वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक राहत भरा संकेत है। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बना रहेगा।

नई दिल्ली : कई रूसी विशेषज्ञों ने शिनहुआ समाचार एजेंसी को दिये साक्षात्कार में कहा कि 2022 में चीन की अर्थव्यवस्था दबाव के बावजूद विकसित होती रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में चीन वैश्विक आर्थिक विकास (Global Economic Growth) का इंजन बना रहेगा। रूसी उच्च आर्थिक विश्वविद्यालय के यूरोपीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापक अनुसंधान केंद्र के निदेशक वासिली काशिन ने कहा, 'महामारी और औद्योगिक व सप्लाई चेन में बाधा जैसे प्रतिकूल कारकों के प्रभाव में पिछले साल चीन की जीडीपी ग्रोथ अपेक्षा से बेहतर है। काशिन ने कहा कि चीन द्वारा महामारी की रोकथाम से जुड़े कदम उठाने और उचित आर्थिक फैसलों से 2023 में चीनी अर्थव्यवस्था (Chinese Economy) में ग्रोथ होगी। उनका मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का महत्व बढ़ेगा और चीन वैश्विक आर्थिक विकास का इंजन बना रहेगा।

चीन के पास है पर्याप्त क्षमता

रूसी उच्च आर्थिक विश्वविद्यालय के ओरिएंटल इंस्टीट्यूट के प्रमुख आंद्रेई कनेर्येव ने भी 2023 में चीन की आर्थिक संभावनाओं पर विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि चीन के पास पूर्ण बुनियादी ढांचा, ठोस औद्योगिक आधार और समृद्ध आर्थिक विकास के अनुभव हैं। उन्होंने कहा कि चीनी सरकार के पास भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पर्याप्त टूलबॉक्स हैं।

रूस-चीन व्यापारिक सहयोग में बड़ी संभावनाएं

रूस-चीन आर्थिक और व्यापारिक सहयोग की संभावना के बारे में रूसी विशेषज्ञों ने कहा, '2022 में रूस और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा नई ऊंचाई पर पहुंची है। दोनों देशों के बीच उद्योग, कृषि, पर्यटन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संस्कृति आदि क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

चीनी इकनॉमी में सुधार दुनिया के लिए अच्छी खबर

वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम की 2023 की वार्षिक बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की महासचिव रेबेका ग्रीनस्पैन ने कहा कि चीन की इकनॉमी में सुधार ने दुनिया के लिए अच्छी खबर दी है। ग्रीनस्पैन ने जोर देकर कहा कि व्यापार प्रतिबंध वैश्विक विकास के लिए अनुकूल नहीं है। दुनिया को वैश्विक आर्थिक प्रणाली के सामान्य घटकों के रूप में चीन और अमेरिका की जरूरत है। यह विकासशील देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

चीन से आ रही अच्छी खबरें

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की महासचिव रेबेका ग्रीनस्पैन ने कहा कि हमने 2023 में चीन से कुछ अच्छी खबरें सुनी हैं। इसे दावोस फोरम के दौरान महसूस किया गया है। विकासशील देशों के लिए निस्संदेह यह अच्छी खबर है, क्योंकि चीन अन्य विकासशील देशों के लिए एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार है।

कमाल का शेयर! 1 लाख के किये 12 लाख, शेयर स्प्लिट के बाद अपर सर्किट, मुनाफा 11905% बढ़ा

नई दिल्ली : पांचों उंगलियां घी में होना... यह कहावत आपने खूब सुनी होगा। इसका मतलब है कि हर तरफ से फायदा ही फायदा होना। शेयर मार्केट (Share Market) में बहुत कम बार ऐसा होता है। लेकिन जब होता है, तो निवेशकों की चांदी हो जाती है। ऐसा ही एक शेयर दीप डायमंड इंडिया (Deep Diamond India) है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है यह डायमंड एंड जूलरी सेक्टर की कंपनी है। इस शेयर ने एक साल में निवेशकों को करीब 1200 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसके बाद इस शेयर का 1:10 के अनुपात में स्टॉक स्प्लिट (Stock Split) हुआ। यानी एक शेयर के 10 शेयर हो गए। जैसे ही स्टॉक स्प्लिट हुआ, शेयर में अपर सर्किट लग गया। इस कंपनी का तीसरी तिमाही का परिणाम (Deep Diamond Q3 Result) भी आ गया है। इसके अनुसार दिसंबर तिमाही में कंपनी के मुनाफे में बंपर इजाफा हुआ है। इस तरह निवेशकों की मौज हो गई है।

दीप डायमंड इंडिया एक मल्टीबैगर स्टॉक (Multibagger Stock) है। एक साल की अवधि में यह शेयर 12 रुपये से बढ़कर 158 रुपये तक पहुंच गया। इस तरह एक साल में इस शेयर ने 1200 फीसदी का रिटर्न दिया। इसका मतलब है कि आपने एक साल पहले इस शेयर में 1 लाख रुपये लगाए होते, तो ये आज 12 लाख रुपये हो जाते। बंपर रिटर्न देने के बाद यह शेयर 1:10 के अनुपात में स्प्लिट हुआ है। इस शेयर में स्टॉक स्प्लिट के लिए रेकॉर्ड डेट 20 जनवरी, 2023 थी। यानी बीते शुक्रवार को यह शेयर 10 टुकड़ों में बंट गया। अगर किसी के पास पहले कंपनी के 100 शेयर थे तो अब वे 1000 हो गए। इसके साथ ही शेयर की कीमत भी 10 से विभाजित हो गई। गुरुवार को यह शेयर 158 रुपये पर बंद हुआ था। स्टॉक स्प्लिट होने के बाद यह शुक्रवार को 15.85 रुपये पर खुला। स्टॉक स्प्लिट होने के बाद इस शेयर की छोटे निवेशकों तक पहुंच बढ़ गई है। शुक्रवार को इस शेयर में अपर सर्किट लगा। यह शेयर 4.92 फीसदी या 0.75 रुपये बढ़कर 16 रुपये पर बंद हुआ। इस शेयर का 52 हफ्ते का हाई 17.20 रुपये पर है। वहीं, 52 हफ्ते का निम्न स्तर 1.10 रुपये है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 51.20 करोड़ रुपये था।

खाने के तेल और दूध में ये कैसा है रिश्ता? एक के सस्ता होने से दूसरा हो रहा महंगा

सस्ते आयातित तेलों की भरमार से देशी तेलों का बाजार काफी गिर रहा है। सूरजमुखी तेल का भाव 200 से गिरकर 100 रुपये प्रति लीटर के करीब रह गया है। सोयाबीन तेल की कीमतों में भी काफी गिरावट आई है। इससे दूध के दाम बढ़ सकते हैं।

नई दिल्ली : देश में सस्ते आयातित तेलों की बहुतायत होने से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को लगभग सभी तेल तिलहन कीमतों में गिरावट देखने को मिली। बाजार सूत्रों ने कहा कि अगर सस्ते आयातित तेलों की यही दशा बनी रही तो देश के सोयाबीन और आगामी सरसों की फसल किसी भी सूरत में खप नहीं पाएगी। उन्होंने कहा कि यह तेल तिलहन मामले में आत्मनिर्भरता के सपने पर चोट होगी। सूत्रों ने कहा कि देश में नरम तेलों की भरमार है तथा कुछ हल्कों में यह गलतफहमी बनी हुई है कि सूरजमुखी और सोयाबीन के दाम में पर्याप्त अंतर है। पिछले कुछ दिनों में जो शुल्क-मुक्त आयात के आर्डर दिए गए हैं, उससे सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के भाव घटकर 100 रुपये प्रति लीटर (प्रसंस्करण के बाद थोक भाव) के आसपास रह गये हैं। सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के भाव में बहुत मामूली ही अंतर है। छह महीने पहले जिस सूरजमुखी तेल का भाव 200 रुपये प्रति लीटर के आसपास था वह बीते दो चार दिनों में घटकर 100 रुपये प्रति लीटर के आसपास रह गया है।

बढ़ सकते हैं दूध के दाम

सूत्रों ने कहा कि सस्ते आयातित तेलों से बाजार पटा रहा तो लगभग 42 प्रतिशत तेल हिस्सेदारी वाले सरसों की इस बार लगभग 125 लाख टन की संभावित पैदावार की खपत कहां हो पाएगी। तेल कीमतें सस्ती होने पर खल कीमतें महंगी हो जाती हैं, क्योंकि तेल कारोबारी तेल के घाटे को पूरा करने के लिए खल के दाम को बढ़ाकर पूरा करते हैं। खल, डीआयल्ड केक (डीओसी) के महंगा होने से पशु आहार महंगे होंगे और दूध, दुग्ध उत्पादों के दाम बढ़ेंगे और अंडे, चिकन महंगे होंगे।

बढ़ा है सरसों का एमएसपी

मौजूदा वर्ष में सरकार ने सरसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि की है। सरसों का जो एमएसपी पहले 5,000 रुपये प्रति क्विंटल था, वह बढ़ाकर 5,400 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सस्ते आयातित तेलों का मौजूदा हाल ही बना रहा तो सरसों की खपत नहीं हो पाएगी और सरसों एवं सोयाबीन तिलहन का स्टॉक बचा रह जाएगा। यह स्थिति भी एक अलग विरोधाभास को दर्शाती है।

बंद हो शुल्कमुक्त आयात की कोटा प्रणाली

सूत्रों ने कहा कि सरकार को शुल्कमुक्त आयात की कोटा प्रणाली से जल्द छुटकारा पा लेना चाहिए क्योंकि इसका कोई औचित्य नहीं है। जब इस व्यवस्था को लागू किया गया था तब खाद्य तेलों के दाम टूट रहे थे। लेकिन इस व्यवस्था से जो खाद्य तेल कीमतों में नरमी आने की अपेक्षा की जा रही थी वह अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के मनमाने निर्धारण की व्यवस्था से निष्प्रभावी हो गई।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार सभी खाद्यतेल उत्पादक कंपनियों को अपने एमआरपी को सरकारी वेबसाइट पर खुलासा करना अनिवार्य कर दे। इससे तेल कंपनियों और छोटे पैकरों की मनमानी पर अंकुश लगने की संभावना है। संभवतः इसी वजह से वैश्विक तेल कीमतों के दाम लगभग आधे रह जाने के बावजूद उपभोक्ताओं को ये तेल ऊंचे भाव पर खरीदना पड़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि थोक बिक्री में दाम टूटने के बाद खुदरा बाजार में एमआरपी अधिक निर्धारित होने से ग्राहकों को खाद्यतेल कीमतों की आई गिरावट का लाभ नहीं मिल रहा है।

तय करना होगा लक्ष्य

सूत्रों ने कहा कि देशी तेल तिलहनों की बाजार में खपत नहीं हुई तो आयात पहले की तुलना में काफी बढ़ सकता है। देश को यह तय करना होगा कि वह आत्मनिर्भरता चाहता है या आयात पर पूरी तरह निर्भरता। आत्मनिर्भरता के लिए मौजूदा समय में सबसे पहले, सस्ते आयातित तेलों पर अंकुश लगाने के प्रयास किये जाने चाहिए। शिकागो एक्सचेंज शुक्रवार को 1.75 प्रतिशत कमजोरी के साथ बंद हुआ था।

शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः

सरसों तिलहन - 6,520-6,570 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,530-6,590 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,500 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल 2,445-2,710 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 13,000 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 1,175-2,105 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,035-2,160 रुपये प्रति टिन।

तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 12,900 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,700 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 11,100 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 8,330 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 11,400 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,900 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन एक्स- कांडला- 8,940 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।

सोयाबीन दाना - 5,500-5,580 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन लूज- 5,240-5,260 रुपये प्रति क्विंटल।

मक्का खल (सरिस्का)- 4,010 रुपये प्रति क्विंटल।

कब जारी होगी पीएम किसान की 13वीं किस्त? लिस्ट में चेक कर जानें कि आपको मिलेंगे या नहीं 2,000 रुपये

पीएम किसान योजना में रजिस्टर्ड किसानों के बैंक खातों में इस महीने 2,000 रुपये की किस्त ट्रांसफर हो सकती है। यह पीएम किसान योजना की 13वीं किस्त होगी। पीएम किसान सम्मान निधि स्कीम में लाभार्थी किसानों को हर साल 6,000 रुपये मिलते हैं।

नई दिल्ली : जल्द ही देश के करोड़ों किसानों के खातों में 2,000 रुपये जमा होने वाले है। हम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (PM Kisan Samman Nidhi Scheme) की बात कर रहे हैं। पीएम किसान योजना (PM Kisan Yojana) की 13वीं किस्त का किसानों को बेसब्री से इंतजार है। सरकार इस महीने में कभी भी पीएम किसान की 13वीं किस्त (13th installment of PM Kisan) जारी कर सकती है। इसके तहत लाभार्थी किसानों के खातों में दो हजार रुपये जमा किये जाएंगे। हालांकि, सरकार द्वारा इस बारे में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। पीएम किसान स्कीम के तहत सभी भूमिधारक पात्र किसान परिवारों को 6 हजार रुपये सालाना का वित्तीय लाभ दिया जाता है। यह 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में मिलता है। योजना में रजिस्टर्ड किसान पीएम किसान के पोर्टल पर जाकर लाभार्थियों की लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैं।

आपको मिलेगी या नहीं किस्त, इस तरह करें चेक

स्टेप 1. सबसे पहले आपको पीएम किसान पोर्टल pmkisan.gov.in पर जाना होगा।
स्टेप 2. वेबसाइट खुलने के बाद मेन्यू बार देखें और 'फार्मर कॉर्नर' पर क्लिक करें।
स्टेप 3. अब लाभार्थी सूची/बेनिफीशियरी लिस्ट टैब पर क्लिक करना होगा।
स्टेप 4. यहां अपने राज्य, जिला, उप-जिला, ब्लॉक और गांव की जानकारी दर्ज करें।
स्टेप 5. अब आपको 'Get Report' पर क्लिक करना है। इसके बाद आपको अपनी जानकारी मिल जाएगी।

जरूरी है ईकेवाईसी

पीएम किसान की वेबसाइट के अनुसार पीएम किसान स्कीम में रजिस्टर्ड किसानों के लिए ईकेवाईसी (eKYC) जरूरी है। अगर आपकी ईकेवाईसी नहीं हुई है, तो आपको पीएम किसान की किस्त का लाभ नहीं मिल पाएगा। ओटीपी बेस्ड ईकेवाईसी की सुविधा पीएम किसान पोर्टल पर उपलब्ध है। इसके अलावा बायोमैट्रिक बेस्ड ईकेवाईसी के लिए पास के सीएससी सेंटर्स में संपर्क किया जा सकता है।

कैसे होता है योजना में रजिस्ट्रेशन

किसान ऑनलाइन व ऑफलाइन तरीके से पीएम किसान योजना में अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए https://pmkisan.gov.in/ पर जाना होगा। वहीं, किसान कॉमन सर्विस सेंटर (PM Kisan Common Service Center) पर जाकर भी रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का प्रोसेस निम्न है।

स्टेप 1. https://pmkisan.gov.in/ पर जाएं और 'फार्मर कॉर्नर' पर क्लिक करें।
स्टेप 2. अब 'New Farmer Registration' टैब पर क्लिक करना होगा।
स्टेप 3. इसके बाद अपना आधार नंबर दर्ज करें।
स्टेप 4. अब कैप्चा कोड भरकर अपने राज्य को चुनें।
स्टेप 5. अब आपको एक फॉर्म दिखाई देगा। यहां आपको पूछी गई जानकारी दर्ज करनी है।
स्टेप 6. अब अपने बैंक खाते और खेत से जुड़ी जानकारी को दर्ज करें।
स्टेप 7. अब सबमिट पर क्लिक कर दें। इसके साथ ही आपका आवेदन दर्ज हो जाएगा।

भारत का पहला बजट पेश किया, कभी बेचते थे टोपियां... क्या इन्हें पहचानते हैं आप?

भारत का पहला बजट 7 अप्रैल 1860 में हुआ था पेश, इसे पेश करने वाले थे 'द इकोनॉमिस्ट' के संस्थापक

भारत में बजट का इतिहास पुराना है। यह आजादी से पहले का है। पहला बजट 7 अप्रैल 1860 में पेश किया गया था। तस्वीर में जो शख्स आपको दिख रहे हैं, उन्हें ही इसका श्रेय जाता है। यह 'द इकोनॉमिस्ट' और चार्टर्ड बैंक ऑफ इंडिया, ऑस्ट्रेलिया एंड चाइना के संस्थापक भी थे।

नई दिल्ली: तस्वीर में जिन शख्स को आप देख रहे हैं, उनका भारत से सीधा कनेक्शन है। इन्हें पहला भारतीय बजट पेश करने का श्रेय जाता है। इनका नाम जेम्स विलसन है। देश में बजट पेश करने की परंपरा आजादी से पहले की है। जेम्स विलसन ने 7 अप्रैल 1860 में भारत का पहला बजट पेश किया था। वह इंडियन काउंसिल के वित्त सदस्य थे। यह परिषद इंडियन वॉइसरॉय को सलाह देती थी। विलसन 'द इकोनॉमिस्ट' के संस्थापक भी थे। कार्ल मार्क्स उन्हें तमाम अर्थशास्त्रियों में बहुत ऊंचा दर्जा देते थे। आजादी के बाद पहला बजट 26 नवंबर 1947 में पेश हुआ था। इसे आरके शणमुखम शेट्टी ने पेश किया था। वह आजाद भारत के पहले वित्त मंत्री थे।

पुराना है देश के बजट का इतिहास

अब जब एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2023 पेश करने वाली हैं तो कई लोग यह भी जानना चाहते हैं कि देश में बजट का इतिहास कब से शुरू हुआ। इसका जवाब यह है कि भारत में बजट पेश करने का इतिहास 1860 से शुरू होता है। ईस्ट-इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को भारतीय प्रशासन के हस्तांतरण के दो साल बाद 7 अप्रैल, 1860 को पहली बार बजट पेश किया गया था। बजट पेश करने वाले पहले फाइनेंस मेंबर जेम्स विलसन थे। अंतरिम सरकार के सदस्य लियाकत अली खान ने 1947-48 का बजट पेश किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले वित्त मंत्री शणमुखम शेट्टी ने 26 नवंबर, 1947 को स्वतंत्र भारत का पहला बजट पेश किया था।

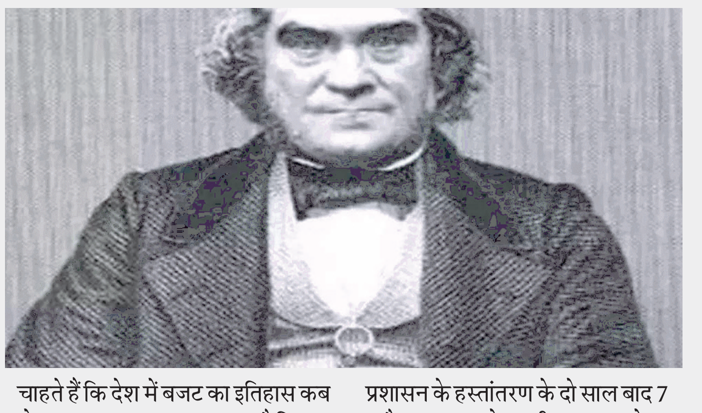

कौन थे जेम्स विलसन?

जेम्स विलसन स्कॉटिश अर्थशास्त्री थे। उनके परिवार का टोपियां बनाने और बेचने का कारोबार था। वह भी इसके लिए काम करते थे। बाद में उनकी माहिर अर्थशास्त्रियों में गिनती होने लगी। अर्थशास्त्र और वाणिज्य में उनकी जबर्दस्त जानकारी थी। 'द इकोनॉमिस्ट' के साथ वह चार्टर्ड बैंक ऑफ इंडिया, ऑस्ट्रेलिया एंड चाइना के संस्थापक थे। 1969 में इसका स्टैंडर्ड बैंक के साथ विलय हो गया था। इसी से स्टैंडर्ड चार्टर्ड का उदय हुआ था। दिसंबर 1859 से लेकर अगस्त 1860 तक वह वॉइसरॉय की एक्जीक्यूटिव काउंसिल के मेंबर थे। उन पर सरकार के अकाउंटिंग सिस्टम, पे ऑफिस, ऑडिट के अलावा पेपर करेंसी, भारतीय पुलिस, मिलेट्री फाइनेंस कमीशन और सिविल फाइनेंस कमीशन की भी जिम्मेदारी थी।

विलसन की 1847 में हाउस ऑफ कॉमन्स में एंट्री हुई थी। उनके आर्थकि अनुभव को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री लॉर्ड जॉन रसल ने विलसन को सेक्रेटरी ऑफ द बोर्ड ऑफ कंट्रोल नियुक्त किया था। यह बॉडी ब्रिटिश इंडिया पर ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण को देखती थी। विलसन के पास यह पद 1858 तक रहा था।

स्टेशन पहुंचने में हुई देर तो फोन कर कहा- मुंबई राजधानी एक्सप्रेस में बम है, पुलिस ने 45 मिनट में पकड़ा

एनटीवी न्यूज

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मुंबई राजधानी एक्सप्रेस में बम होने की फर्जी सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलने के बाद ही स्टेशन के अधिकारियों और आरपीएफ स्टाफ ने ट्रेन की रवानगी को रोक दिया। इसके बाद पूरी ट्रेन की तलाशी ली गई। इस मामले में फोन करने वाले शख्स को अरेस्ट कर लिया गया है।

नई दिल्ली: स्टेशन पहुंचने में हुई देर तो एयरफोर्स कर्मी ने पुलिस को मुंबई राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में बम होने की फर्जी कॉल की। यह ट्रेन शाम 4 बजकर 55 मिनट पर रवाना होनी थी। पीसीआर को सूचना मिलते ही स्टेशन पर रेलवे के अधिकारी और आरपीएफ स्टाफ एक्टिव हो गए। ट्रेन की तलाशी ली गई। तलाशी में किसी भी तरह के बम नहीं मिला। पुलिस ने पूरे मामले को 45 मिनट के भीतर सुलझा लिया। मामले में एयरफोर्स कर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि एयरफोर्स में सर्जेंट के रूप में काम करने वाले शख्स की पहचान सुनील सांगवान के रूप में है। पुलिस ने कहा कि आरोपी शराब के नशे में था। पुलिस ने फोन नंबर के आधार पर शख्स का पता लगाया। सुनील हरियाणा के भिवानी का रहने वाला है। वह एयरफोर्स में अभी मुंबई में पोस्टेड है। उसे आज मुंबई राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से मुंबई जाना था। वह स्टेशन पहुंचने में लेट हो गया। इसके बाद ही उसने ट्रेन में बम होने की फर्जी सूचना पुलिस को दी। आरोपी की पहचान ट्रेन की बुकिंग से की गई। इसके अलावा उसकी पहचान को एयरफोर्स के आईडी कार्ड से कन्फर्म किया गया।

एक से अधिक पासपोर्ट, कहीं विदेश न भाग जाएं शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपी...

शिक्षक भर्ती घोटाले में कलकत्ता हाईकोर्ट लगातार कड़े फैसले सुना रही है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आशंका जताई है कि घोटाले में फंसे कई आरोपियों के पास एक से अधिक पासपार्ट हो सकते हैं। ऐसे में सीबीआई इसकी जांच कर कोर्ट में एक रिपोर्ट पेश करे। इसके साथ ही यह भी पता लगाए कि क्या फर्जी पासपोर्ट से विदेश जाना संभव है।

कोलकाता: एक से अधिक पासपोर्ट। आरोपी कहीं भाग जाएं विदेश। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपियों को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट को अब ऐसा ही डर सताने लगा है। गौरतलब है कि शिक्षक भर्ती घोटाले में फंसे अधिकांश आरोपी ही हाईप्रोफाइल हैं। जो किसी न किसी बड़े प्रशासनिक पद से जुड़े हैं। इसके साथ ही कई ऐसे भी है जो बड़े संस्थानों के कर्ताधर्ता है। ऐसे में इनके पास एक से अधिक देशों के पासपोर्ट भी हैं। इसी पर ध्यान देते हुए शुक्रवार को कलकत्ता होईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले के कुछ आरोपियों के एक से अधिक पासपोर्ट रखने की संभावना के बारे में पूछताछ की। इसके साथ ही उन पर नजर रखने का आदेश दिया है।

हो पासपोर्ट की जांच

अदालत ने सीबीआई अधिकारियों से कहा,'क्या आपने मामले में अभियुक्तों के पासपोर्ट की जांच की है? क्या आपको उनकी विदेश यात्राओं के बारे में कोई जानकारी है? अक्सर कुछ लोग फर्जी पासपोर्ट निकालकर विदेश यात्रा के लिए दो पासपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं। जवाब में सीबीआई के प्रतिनिधियों ने अदालत को कहा कि शिक्षक भर्ती घोटाले के कुछ आरोपियों के पासपोर्ट और पिछली विदेश यात्राएं केंद्रीय एजेंसी की जांच के दायरे में हैं।

कोई अंदाजा नहीं

सीबीआई के अधिकारियों ने कोर्ट में कहा कि हालांकि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि ऐसे मामलों में किसी फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया गया था या नहीं। हमें इस मामले की अलग से जांच करनी होगी। जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा इस मामले की जांच करें। जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने अदालत में मौजूद सीबीआई के प्रतिनिधियों से कहा, 'मैं इस मामले में जल्द ही एक विस्तृत रिपोर्ट मांग सकता हूं।'

फर्जी पासपोर्ट के जरिए विदेश यात्रा संभव

जब जस्टिस गंगोपाध्याय ने सीबीआई के अधिकरियों से पूछा कि क्या फर्जी पासपोर्ट के जरिए विदेश यात्रा संभव है? तो सीबीआई के प्रतिनिधि ने कहा कि ऐसा हो भी सकता है। इस पर उन्होंने कहा, अगर यह संभव है, तो इसका पता लगाएं। जांच-पड़ताल के कार्य में सावधानी बरतें। यदि आवश्यक हो, तो प्रवर्तन निदेशालय से परामर्श करें। आवश्यक कदम उठाएं।

ब्रीफ न्यूज

'नेताजी की जयंती को लेकर TMC और BJP खेल रही राजनीतिक कार्ड'...बोले लेफ्ट के नेता सुजन चक्रवर्ती

राज्य में इस समय नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जंयती मनाने को लेकर सियासत शुरू हो गई है। नेताजी की जयंती पर कई कार्यक्रम का आयोजन किए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस की ओर से जय हिंद वाहिनी की स्थापना होगी, वहीं बीजेपी की ओर से भी कई आयोजन है। ऐसे में इन पर कटाक्ष करते हुए लेफ्ट के नेता सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि राज्य में पार्टियां राजनीति कर रही हैं।

कोलकाता: देश नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती मनाने के लिए तैयार है, ऐसे में पश्चिम बंगाल में इस मुद्दे पर राजनीति गरमा रही है। हम सभी जानते हैं कि यहां से महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी का गहरा नाता हैं। इसी के लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और प्रमुख विपक्षी दल बीजेपी के पास राजनीतिक कार्ड खेल रही है। तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने हाल ही में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की तर्ज पर जय हिंद वाहिनी स्थापित करने के निर्णय की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद विपक्षी दलों ने इसे नेताजी के मुद्दे का राजनीतिकरण करने के खुले प्रयास के रूप में निंदा की है। गौरतलब है कि हाल ही में सरकार के फंड नहीं देने के कारण एर लाख से अधिक एनसीसी कैडेटों का करियर प्रभावित हुआ है।

सीपीआई (एम) केंद्रीय समिति के सदस्य सुजन चक्रवर्ती ने कहा, 'नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जयंती को लेकर तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी दोनो ही राजनैतिक कार्ड खेल रहीं हैं। सुजन चक्रवर्ती ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस की एक शाखा है जिसका नाम भी जय हिंद वाहिनी है। राज्य सरकार के पास एनसीसी को देने के लिए फंड नहीं हैं। अब नेताजी को श्रद्धांजलि देने की आड़ में स्कूली शिक्षा में राजनीतिकरण करने का एक और प्रयास है? जब एनसीसी है तो इस कदम का क्या औचित्य है?'

जय हिंद वाहिनी नेताजी के नाम पर मजाक

तृणमूल कांग्रेस की जय हिंद वाहिनी शाखा को लेकर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने काफी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'राज्य में इतने बड़े पैमाने पर हुआ शिक्षक भर्ती घोटाला वैसे ही सबसे सामने है। ऐसे में जय हिंद वाहिनी पर यह कदम नेताजी के नाम पर एक मजाक के अलावा और कुछ नहीं है। पहले राज्य सरकार को चाहिए कि वह अपनी शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त कर उसे ठीक करे। उसके बाद आगे कुछ करे।'

राजनीति कर रही विपक्ष

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक तापस राय ने विपक्ष की आलोचना की। राय ने कहा कि विपक्ष हर मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर बंगाल में फिर पथराव, 21 दिनों में 4 बार हमला

एनटीवी संवाददाता

वंदे भारत ट्रेन को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर जारी हैं। 30 जनवरी को न्यूज जलपाईगुड़ी से हावड़ा के बीच शुरू की गई वंदे भारत पर एक बाद एक पथराव की घटनाएं हो रही हैं। 21 दिनों के अंदर वंदे भारत ट्रेन पर 4 बार हमले हो चुके हैं।

कोलकाता: वंदे भारत एक्सप्रेस पर बंगाल में एक बार फिर पथराव हुआ है। न्यू जलपाईगुड़ी से हावड़ा जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया गया है। इससे ट्रेन के कई शीशे टूट गए हैं। ट्रेन के अंदर बैठे कई लोग बाल-बाल बचे। हैरानी वाली बात यह है कि वंदे भारत एक्सप्रेस को शुरू हुए महज 21 दिन हुए हैं और ट्रेन पर यह पथराव की चौथी घटना है। आरपीएफ सूत्रों के मुताबिक, हावड़ा जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पर पेल्टा और दलखोला स्टेशनों के बीच कथित तौर पर पथराव किया गया। घटना से यात्रियों में दहशत का माहौल है।

यह पहली बार नहीं है, इससे पहले चार बार वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव के आरोप लग चुके हैं। ट्रेन पर पथराव की सूचना के बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। कोच संख्या 6 की दाहिनी और की खिड़की के शीशे टूटे थे। घटना तब हुई जब एनजेपी से हावड़ा एनजेपी वंदे भारत एक्सप्रेस ने बोलपुर स्टेशन में प्रवेश किया। यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव की शिकायत की।

दहशत में नजर आए यात्री

शिकायत के बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और सेमी-हाई स्पीड ट्रेन के C6 कोच की 70 और 72 सीटों के पास की खिड़की के शीशे में बड़ी दरार आ गई। यात्री दहशत में थे। उनमें से कुछ ने मालदा टाउन स्टेशन पर शाम करीब 5-55 बजे पथराव की घटना की सूचना आरपीएफ को दी।

30 जनवरी को शुरू हुई थी वंदे भारत

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की घटना से पहले भी कई बार राज्य की राजनीति में उथल-पुथल मची है। बंगाल की पहली बुलेट ट्रेन 30 जनवरी को हावड़ा से शुरू हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन का वर्चुअली उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौजूद थीं।

चार नाबालिग हुए थे गिरफ्तार

बंगाल की पहली बुलेट ट्रेन हावड़ा एनजेपी वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू से ही विवादों से जुड़ी रही है। यात्रा के दूसरे दिन ही दिन वंदे भारत पर पत्थरों से हमला किया गया। फिर तीसरे दिन फिर वापसी की ट्रेन पर पथराव किया गया। सीसीटीवी जांच से पता चलता है कि कुछ किशोरों ने बिहार के किशनगंज के पास एक ट्रेन पर पथराव किया। पुलिस ने चार नाबालिगों को भी गिरफ्तार किया है। इसके बाद एक बार फिर यात्रियों ने वंदे भारत में पथराव की शिकायत की, लेकिन पूर्व रेलवे ने किसी भी शिकायत में सच्चाई नहीं मानी।

तीसरे हमले की शिकायत के बाद ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों ने कमरे के शीशे चेक किए और कहा कि वंदे भारत के कमरे की खिड़की के शीशे पर चोट किसी पत्थर या पत्थर से नहीं लगी है।

143 साल बाद पहली बार बारदा सेंचुरी में दाखिल हुआ एशियाई शेर, वन विभाग ने बताया अच्छा

एनटीवी संवाददाता

अहमदाबाद: गुजरात के वन विभाग की ओर से एशियाई शेरों के लिए नए आवास विकसित किए जाने की मुहिम रंग ला रही है। 143 साल बाद पहली बार पोरबंदर जिले के बारदा वन्य जीव अभयारण्य में एशियाई शेर को देखा गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रधान वन संरक्षक (वन्यजीव) नित्यानंद श्रीवास्तव ने बताया कि साढ़े तीन साल का नर शेर दो दिन पहले पोरबंदर शहर के नजदीक कुछ समय बिताने और मवेशियों का शिकार करने के बाद अभयारण्य में दाखिल हुआ।

उन्होंने बताया, 'आजादी के बाद पहली बार बारदा वन्य जीव अभयारण्य के भीतर शेर को देखना अच्छा संकेत है। वन विभाग अभयारण्य को शेरों के लिए दूसरे घर के तौर पर विकसित करने का प्रयास कर रहा है। हम अभयारण्य में उनका आधार बढ़ाने के लिए प्रजनन केंद्र भी संचालित कर रहे हैं।' श्रीवास्तव ने बताया कि शेर तटीय शहर माधवपुर के नजदीक जंगलों में घूम रहा था और कुछ महीने पहले अन्य नर शेरों से अलग होकर पोरबंदर शहर के करीब पहुंच गया।

'कुछ महीने पहले लगाया था रेडियो कॉलर'

उन्होंने बताया कि वन विभाग ने शेर पर नजर रखने के लिए कुछ महीने पहले पोरबंदर के नजदीक 'रेडियो कॉलर' लगाया था। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'शेर मवेशियों का शिकार करने के बाद बारदा वन्य जीव अभयारण्य पहुंचा। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। बारदा शेरों का दूसरा घर हो सकता है क्योंकि इसमें उनके शिकार के लिए कई जानवर हैं। साथ ही अभयारण्य की सीमा के एक किलोमीटर दायरे में खनन 2013 से ही प्रतिबंधित है।'

वन विभाग की कोशिशर रंग लाई

राज्यसभा सदस्य और गिर राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य की सलाहकार समिति के सदस्य परिमल नाथवानी ने कहा, 'दूसरे आवास की ओर शेरों का प्राकृतिक विस्थापन ऐतिहासिक घटना है।' उन्होंने कहा, 'कई विशेषज्ञों का मानना है कि बारदा वन्यजीव अभयारण्य शेरों के लिए आदर्श आवास होगा क्योंकि जलवायु, पारिस्थितिकी और मानव बसावट के मामले में यह गिर वन जैसा है। पहले ही इस अभयारण्य को एशियाई शेरों का आवास बनाने के लिए हर संभव मदद दी जा रही है।'

बागेश्वर महाराज का 'चमत्कार' देख मुस्लिम महिला ने किया ऐलान, मैं हिन्दू धर्म करूंगी स्वीकार

एनटीवी संवाददाता

बागेश्वर महाराज की कथा इन दिनों छत्तीसगढ़ के रायपुर में चल रही है। नागपुर विवाद पर बाबा ने यहां सफाई देते हुए घोषणा कि थी कि जिन लोगों ने आरोप लगाया है। वो रायपुर आ जाएं। रायपुर आने का किराया मैं दूंगा। यहां दिव्य दरबार में उन्हें सारे सवालों के जवाब मिल जाएंगे।

रायपुर: बागेश्वर धाम सरकार की कथा इन दिनों छत्तीसगढ़ के रायपुर में चल रही है। विवादों के बाद बागेश्वर महाराज के ये कथा सुर्खियों में। शनिवार को बागेश्वर महाराज ने एक बार फिर से दिव्य दरबार लगाया था। इस दिव्य दरबार में एक मुस्लिम महिला भी पहुंची थी। दिव्य दरबार में मुस्लिम महिला ने बाबा का चमत्कार देखा तो हैरान रह गई। मुस्लिम महिला ने मंच से ही हिन्दू धर्म अपनाने की घोषणा कर दी। महिला छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रहने वाली है। महिला ने कहा कि सनातन धर्म श्रेष्ठ है। उसने कहा कि हिन्दू धर्म में भाई और बहन की शादी नहीं होती है। ये धर्म सभ्यता वाला समाज है। महिला का नाम सुल्ताना है।

महिला ने कहा कि सनातन धर्म श्रेष्ठ है क्योंकि तीन तलाक बोल देने से पति और पत्नी का रिश्ता खत्म नहीं होता है। महिला की बात सुनकर मंच में मौजूद लोग बाबा की जयकार लगाने लगे। महिला ने बाबा के दिव्य दरबार में अर्जी लगाई थी। बाबा ने एक बार फिर से बिना बताया महिला की समस्या को पेपर में लिख दिया। बाबा का यह चमत्कार देखकर महिला प्रभावित हो गई।

तीन लोगों ने की घर वापसी की घोषणा

बागेश्वर धाम के महाराज पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दिव्य दरबार में शनिवार को ओडिशा के तीन लोगों ने धर्म वापसी करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम इस्लाम को छोड़कर सनातन धर्म को अपनाने की घोषणा करते हैं। मंच से ही बागेश्वर महाराज ने इन सभी का स्वागत किया। इससे पहले दिव्य दरबार में महाराज ने अनेक भक्तों की अर्जी सुनी। उनकी समस्याओं को पूछे बिना ही पहले से ही कागज पर लिखकर रखा और समाधान करने के लिए बागेश्वर बाबा पर विश्वास रखने कहा।

लगा था अंधविश्वास फैलाने का आरोप

नागपुर में अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक श्याम मानव ने आरोप लगाया था कि बागेश्वर महाराज अंधविश्वास फैला रहे हैं। आरोप लगाया कि मेरी चुनौती के दो दिन पहले ही महाराज यहां से भाग गए। इस चुनौती का जवाब देते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने रायपुर में प्रेस कांफ्रेंस क थी। उन्होंने चुनौती स्वीकार करते हुए कहा था कि आरोप लगाने वाले लोगों का रायपुर में स्वागत है। मैं दिव्य दरबार में जवाब दूंगा।

रायपुर में दिया था लाइव डेमो

इससे पहले शुक्रवार को बागेश्वर धाम सरकार ने पत्रकारों को अपनी सिद्ध शक्ति का लाइव डेमो दिया था। उन्होंने मंच से एक पत्रकार का नाम लेकर पुकारा था। उसके बाद उन्होंने उसके भाई भतीजी से जुड़ी जानकारी सबके सामने रखी थी। जिसे देखकर सभी हैरान रह गए थे।